दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-94 सीहोर, बुधवार 27 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

कलाहांडी में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह की मौत, एक गंभीर

भुवनेश्वर, (ए.)। ओडिशा के कलाहांडी जिले के मदनपुर रामपुर क्षेत्र अंतर्गत गौड़ कार्लाखुंटा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे में मृत छह लोगों में निमाई चरण पाल पिता गंगाधर पाल, आकाश पाल पिता निमाई चरण पाल, आदल माझी पिता विष्णु माझी,बैकुंठ जाल पिता मधु जाल, मनोरंजन हाथी पिता धनसागर हाथी, छांद जाल पिता बलदेव जाल शामिल हैंस्थानीय सूत्रों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर लगे सेंट्रिंग ढांचे को हटाने के लिए कुछ मजदूर टैंक में उतरे थे। इसी दौरान टैंक के भीतर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वे बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के प्रयास में एक के बाद एक अन्य लोग भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी दम घुटने से अचेत हो गए।

बंगाल में 5 रुपये में मिलेगा मछली-भात, महिलाओं को प्रति माह 3,000

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कई अहम फैसलों को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 27 मई से अन्नपूर्णा योजना के लिए फॉर्म जारी करना शुरू कर देगी, जिसके तहत महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और पूजा स्थलों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही आम लोगों के लिए भोजन को लेकर भी अहम घोषणा की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सप्ताह में 2 बार 5 रुपये में मछली और चावल का भोजन उपलब्ध कराएगी। उनके अनुसार, लोगों को किफायती भोजन उपलब्ध कराने के लिए इस पहल के तहत लगभग 400 विशेष कैंटीन स्थापित की जाएंगी। बंगाल की खाद्य संस्कृति में मछली-भात बेहद अहम माना जाता है और सरकार इसे कम कीमत पर उपलब्ध कराकर गरीब तबकों को राहत देना चाहती है। चुनावों के दौरान भी ये मुद्दा उठा था।मुख्यमंत्री सुवेंदु ने कहा, स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानें संचालित करने की अनुमति नहीं होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि युवा शराब के लालच में न पड़ें। अन्नपूर्णा योजना के फॉर्म कल से राज्य सचिवालय द्वारा जारी किए जाएंगे। इस योजना के तहत सभी भारतीय लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं।

घुसपैठियों को चुन-चुनकर देश से बाहर निकालने की तैयारी,सरकार ने बनाई हाई-लेवल कमेटी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को देश भर में होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है. इस अध्ययन में अवैध प्रवासियों के कारण आबादी में होने वाले बदलावों को भी शामिल किया जाएगा. सरकार ने यह कदम शासन व्यवस्था, सार्वजनिक सेवाओं, सीमा सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने पर पड़ने वाले इसके असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया है. उच्च-स्तरीय जनसांख्यिकीय परिवर्तन समिति नाम की इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर करेंगे. समिति के चार अन्य सदस्यों में जनगणना आयुक्त, पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और अर्थशास्त्री शमिका रवि शामिल हैं. गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव (विदेशी- आई) इस समिति के सदस्य सचिव के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

समिति को एक साल के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है. गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और मंत्रालय इसके कामकाज के लिए आवश्यक सभी प्रशासनिक, लॉजिस्टिक और सचिवीय सहायता प्रदान करेगा।

इस संबंध में गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि समिति को देश भर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की प्रकृति, कारणों और परिणामों की जांच करने तथा इस समस्या से निपटने के लिए नीतिगत, प्रशासनिक और कानूनी उपायों की सिफारिश करने का जिम्मा सौंपा गया है।

अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने यह पाया कि कुछ क्षेत्रों में आबादी का यह बदलाव सामान्य प्रजनन क्षमता (फर्टिलिटी) या मृत्यु दर के रुझान के कारण नहीं है. इसके बजाय, यह अवैध अप्रवासन (घुसपैठ), आबादी की अनियंत्रित आवाजाही और प्रशासनिक ढिलाई जैसे बाहरी असामान्य कारकों के कारण उभर रहा है.मंत्रालय ने कहा कि ऐसे बदलाव शुरुआत में सीमावर्ती जिलों तक ही सीमित थे, लेकिन अब ये शहरी केंद्रों, औद्योगिक क्षेत्रों, आदिवासी क्षेत्रों और अन्य सामाजिक व आर्थिक रूप से संवेदनशील इलाकों में फैल गए हैं. सरकार ने यह भी उल्लेख किया कि ये जनसांख्यिकीय परिवर्तन सार्वजनिक सेवाओं की पहुंच, स्थानीय शासन, संसाधनों के वितरण और सामाजिक सद्भाव को प्रभावित कर रहे हैं।

ममता बनर्जी की टीएमसी में बढ़ी दरार, सीएम शुभेंदु के कार्यक्रम में 6 विधायकों के साथ शामिल हुई काकोली घोष

कोलकाता(आरएनएस)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी में चल रही उथल-पुथल को और गहरा करने वाली एक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आई है। पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने टीएमसी से इस्तीफा दे दिया है और काकोली घोष छह अन्य विधायकों के साथ, मंगलवार को कल्याणी में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की प्रशासनिक समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। यह दृश्य स्पष्ट था कि टीएमसी में अपने साथ हुए व्यवहार पर सार्वजनिक रूप से

निराशा व्यक्त करने के बाद हाल ही में अपने संगठनात्मक पद से इस्तीफा देने वाली घोष दस्तीदार, भाजपा सरकार के आधिकारिक मंच पर ऐसे समय में मौजूद थीं जब पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरण तेजी से अस्थिर होते दिख रहे हैं।बारासात सांसद के अलावा, बैठक में टीएमसी विधायक अनीसुर रहमान बिस्वास (देगंगा), बीना मंडल (स्वरूपनगर), मोहम्मद अब्दुल मतीन (हारोआ) और बसीरहाट क्षेत्र के तीन अन्य विधायक भी शामिल थे। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी की करीबी और टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी जिला पदाधिकारी पद से इस्तीफा दे दिया है।

हाईकोर्ट का जहांगीर खान को आत्मसमर्पण करने का निर्देश

कोलकाता(आरएनएस)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जहांगीर खान को दी गई अंतरिम सुरक्षा को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया और उन्हें पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने और उनके खिलाफ दर्ज कई मामलों की जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि फलता में विधानसभा उपचुनाव की अवधि के दौरान दी गई सुरक्षा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी नहीं रह सकती। जहांगीर खान की कानूनी टीम ने अवकाशकालीन पीठ में याचिका दायर कर 26 मई तक दी गई अंतरिम राहत को बढ़ाने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान, अदालत ने सवाल किया कि उपचुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद भी सुरक्षा क्यों जारी रहनी चाहिए और यह भी कहा कि पुलिस में शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, इसलिए जांच में सहयोग करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिप्रा तीर्थ परिक्रमा समापन समारोह में माँ शिप्रा को अर्पित की 351 फीट की चुनरी

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा तट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के समापन समारोह में माँ शिप्रा को 351 फीट की चुनरी अर्पित की। इसके पहले उन्होंने धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव के संग माँ शिप्रा की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चन की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान जन आंदोलन बन गया है। जनता की सहभागिता से जल संरक्षण में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य बन गया है। समारोह में भारतीय नौसेना के बैंड ने रामघाट पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य अतिथियों के साथ अंतर्जली यात्रा, श्री शिप्रा महिमा और यह है मोहन की सरकार पुस्तकों का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन सहित प्रदेशभर में गंगा दशहरा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई से आए भारतीय नौसेना के

बैंड की प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया है। बैंड के सदस्यों ने संगीत मय कार्यक्रम से रामघाट पहुंचे नागरिकों को मनमोहक धुनें सुनवाकर इस शाम को यादगार बना दिया है। मोक्ष दायिनी मां शिप्रा की दो दिवसीय तीर्थ परिक्रमा मंगलवार को संपन्न हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सभी प्रमुख तालाब, कुएं, बावड़ी, पोखर, नदियों के उद्गम स्थलों पर जनसहयोग के जरिए जल संचयन के लिए कार्य जारी हैं। अब तक लगभग 2 लाख से अधिक काम पूरे किए गए हैं।

इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य महंत उमेश नाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक जितेंद्र पंड्या, उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नवीन सोलंकी, नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिलाध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रामलाल मालवीय अनेक निगम-मंडलों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में इस बार नौतपा की शुरुआत तेज गर्मी के साथ आंधी और बारिश से हुई , 28 से प्री-मानसून के संकेत

- 45 जिले हीटवेव की चपेट में

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में इस बार नौतपा की शुरुआत तेज गर्मी के साथ आंधी और बारिश से हुई है। सोमवार को भोपाल, उमरिया, दमोह समेत 15 से अधिक जिलों में गर्मी और बदले मौसम का असर देखने को मिला। 28 मई से प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने के संकेत हैं। इस दौरान उत्तर और दक्षिण क्षेत्र के 14 जिलों में हल्की बारिश हो सकती है।मौसम विभाग ने मंगलवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना जिलों में तीव्र लू का रेड अलर्ट जारी किया है। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव प्रदेश के सबसे गर्म शहर बने हुए हैं, जहां तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। भोपाल और ग्वालियर सहित प्रदेश के 45 जिले हीटवेव की चपेट में रहेंगे, जबकि इंदौर और नर्मदापुरम में गर्मी से कुछ राहत

मिलने की संभावना है।

तीन दिन तक तेज गर्मी, फिर बदलेगा मौसम

मौसम विभाग ने अगले चार दिनों का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के मुताबिक 28 मई को ग्वालियर, चंबल, सागर और जबलपुर संभाग के 14 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

इससे पहले 25 मई को भी कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई थी। पश्चिमी हिस्से से गुजर रहे टर्फ सिस्टम के कारण मौसम में यह बदलाव देखा जा रहा है।भोपाल में पिछले 14 वर्षों के दौरान नौतपा में 7 बार बारिश दर्ज की गई है, जबकि 2 बार केवल बूंदाबांदी हुई थी। इस बार भी शुरुआत में ही बूंदाबांदी हो चुकी है। वर्ष 2018 और 2019 में नौतपा के दौरान सबसे अधिक गर्मी पड़ी थी, जब औसत तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया था।सोमवार को नौतपा के पहले दिन प्रदेश में कहीं बारिश तो कहीं भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। छतरपुर जिले के खजुराहो में तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर माना जा रहा है।

शाह का सांचू दौराः बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने की तैयारी -सांचू पोस्ट पर पहुंचकर याद किया 1964 का युद्ध

बीकानेर,(ए.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बीकानेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित ऐतिहासिक सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की और अगले 6 महीने में बॉर्डर पर ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री शाह ने जोर दिया कि भारतीय जमीन पर उतरने वाले ड्रोनों को कौन रिसीव करता है और उनके मटेरियल का उपयोग कौन करता है, इस पर पैनी नजर रखनी होगी और इसतरह के लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।केंद्रीय गृहमंत्री शाह राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ हेलिकॉप्टर से सांचू पोस्ट पहुंचे, जहां उन्होंने करीब डेढ़ घंटा का समय बिताया। उन्होंने भीषण गर्मी में तैनात जवानों से उनके अनुभव सुने, सीमा गतिविधियों पर चर्चा की और उनके साथ ही पारंपरिक नाश्ता भी किया।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : सीबीआई ने दर्ज की पति और सास पर नई एफआईआर, दहेज में 20 लाख मांगने की बात

भोपाल (निप्र)। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने भोपाल पहुंचते ही एक्शन शुरू कर दिया है। सोमवार रात सीबीआई ने

कटारा हिल्स थाने में दर्ज मूल मामले को अपनी डायरी में री-रजिस्टर करते हुए मृतका के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में यह माना गया है कि ससुराल पक्ष द्वारा दहेज में अतिरिक्त रुपयों की मांग की जा रही थी। सीबीआई ने स्थानीय पुलिस की शुरुआती जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए मामले को आगे बढ़ाया है। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया था कि ससुराल पक्ष द्वारा ट्विशा और उनके परिवार से 20 लाख की अतिरिक्त मांग की जा रही थी। इसी वित्तीय लेन-देन और प्रताड़ना को आधार मानते हुए सीबीआई ने दहेज मृत्यु की धाराओं के तहत केस दर्ज किया हैसोमवार देर शाम सीबीआई की विशेष टीम (एसआईटी) आरोपित समर्थ सिंह के बागमुगालिया एक्सटेंशन स्थित आवास पर पहुंची।

सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में 15 और आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता,(आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के माल्दा जिले में 1 अप्रैल को सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में 15 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया गया था। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीम ने सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक माल्दा जिले के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इसी दौरान इन 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

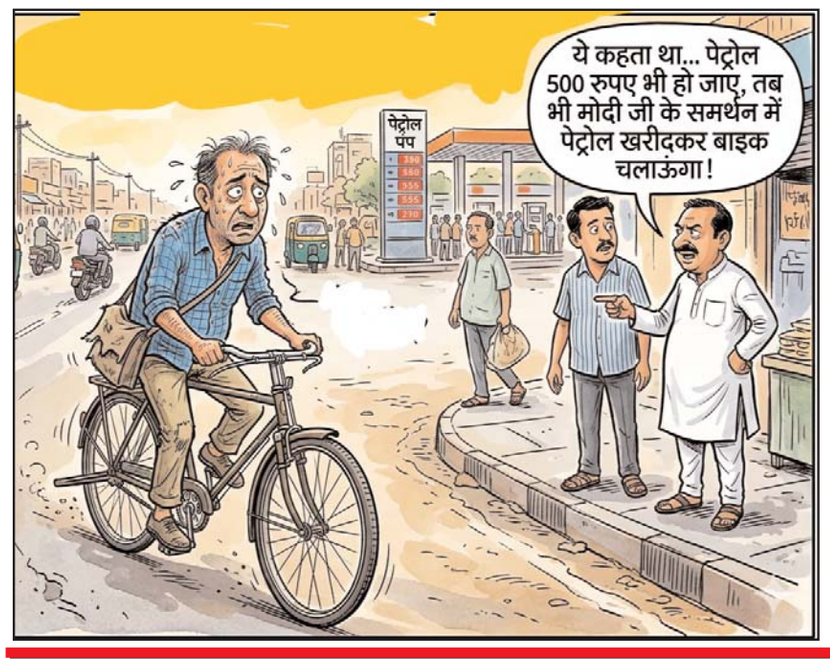

कच्चा तेल सस्ता, फिर भी ईंधन महंगा क्यों? खड़गे ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधनों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोल दिया है। यह हमला तब किया हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे होने पर भाजपा इस बात को उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है।कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट कर तंज कसा कि हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े-लिखे को फारसी क्या! उन्होंने प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि 26 मई 2014 को, जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, तब भारतीय बास्केट में कच्चे तेल की कीमत 108.05 डॉलर प्रति बैरल थी और डॉलर-रुपया विनिमय दर 58.59 रुपये थी।

कांग्रेस आलाकमान ने कहा- सिद्धारमैया बने रहेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री; लेकिन रिपोर्टों में अलग-अलग दावे

नईदिल्ली,(आरएनएस)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। सिद्धारमैया ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। कांग्रेस आलाकमान ने आज सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को दिल्ली तलब किया था। दिल्ली के इंदिरा भवन में कर्नाटक को लेकर कांग्रेस आलाकमान की घंटों से बैठक चली। हालांकि, इसके बावजूद कई रिपोर्टों में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अलग-अलग दावे किए गए हैं। कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठकों के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट किया कि बैठकों के दौरान सत्ता-साझेदारी की व्यवस्था, कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन या मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा, इन बैठकों का मुख्य ध्यान आने वाले राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों पर था। अंदरूनी सत्ता-संघर्ष को लेकर उड़ रही अफवाहें बेबुनियाद हैं। सुरजेवाला ने आग्रह किया कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर किसी भी तरह की अटकलें न फैलाएं।

सूत्रों ने कांग्रेस सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पार्टी आलाकमान ने सिद्धारमैया से पद छोड़ने और राज्यसभा के माध्यम से दिल्ली जाने के लिए कहा है, जहां उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका दी जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि आलाकमान ने सिद्धारमैया को आश्वासन दिया है कि उनके मुद्दों का ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने सिद्धारमैया को बताया कि वह राज्यसभा के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश कर सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले पर प्रियंका गांधी भी सक्रिय हैं और नेतृत्व परिवर्तन के लिए दबाव बना रही हैं। रिपोर्ट में कांग्रेस सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि प्रियंका शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में हैं। वहीं, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे , प्रियंका गांधी,

राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल ने कई नेताओं के साथ अलग-अलग और एक साथ घंटों तक मंथन किया है।दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद शिवकुमार और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री पद के दावेदार के तौर पर उभरे थे। तब सिद्धारमैया ने बाजी मारी। इसके बाद से ही चर्चाएं चलीं कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच अनौपचारिक रूप से रोटेशनल मुख्यमंत्री की व्यवस्था पर सहमति बनी थी। यानी ढाई साल तक सिद्धारमैया और ढाई साल तक शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसे लेकर कभी कुछ नहीं कहा।

ई-साइकिलों के प्रयोग से महिला कर्मयोगियों को मिलेगी शक्ति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क ई-साइकिलें बांटी

सीएसआर फंड से जिला प्रशासन उज्जैन ने उपलब्ध करवाईं ई-साइकिलें

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए संकल्पित है। प्रदेश की सभी माताएं-बहनें अपने जीवन में सुख-समृद्धि, आनंद और वैभव प्राप्त करें। दुनिया में पेट्रोल-डीजल से दाम बढ़ रहे हैं। महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क मिलीं ई-साइकिलें शक्ति प्रदान करेंगी। वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में इलेक्ट्रिक व्हीकल सबसे अच्छा विकल्प हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में 40 महिला कर्मयोगी बहनों को ई-साइकिलें बांटने के बाद जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। साइकिलें उज्जैन जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-साइकिलें उपलब्ध कराने वाली कंपनी के प्रयास को सराहा और लाभ प्राप्त करने वाली बहनों के बधाई दी।

आमजन के परिश्रम से जल संरक्षण के कार्यों में मध्यप्रदेश बना नंबर-1

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल संवर्धन की दिशा में लगातार तीसरे वर्ष विकास कार्यों को गति दे रही है। प्रदेश में जल गंगा संरक्षण महाभियान के जरिए गुड़ी पड़वा से लेकर 30 जून तक लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक लागत के कार्य शामिल हैं। इनमें नदी, तालाब, पोखर, कुएं, बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य किए जा रहे हैं। प्रमुख नदियों के उद्गम स्थलों पर जल संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जल संरक्षण के कार्यों के लिए मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रदेशवासियों के परिश्रम का फल है।

भोजशाला के निर्णय का सभी वर्ग के लोगों ने किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला में गंगा दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया है। भोजशाला के संबंध में आए उच्च न्यायालय के फैसले का हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्ग के लोगों ने सम्मान किया है। पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण और वर्तमान में धार की भोजशाला को लेकर हमारे मतों में भिन्नता हो सकती है। राज्य सरकार न्यायालय के निर्णय को सफलतापूर्वक लागू करा रही है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार क्षेत्र में बिजली चोरी पकड़ने की बड़ी कार्रवाई

51 किलोवॉट का अवैध लोड पकड़ा, उपभोक्ता ने जमा किए 7.52 लाख रूपये

भोपाल (ए.)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार रोड क्षेत्र के इनायतपुर गांव में विजिलेंस टीम के माध्यम से कार्रवाई कर बड़े पैमाने पर हो रही बिजली चोरी को पकड़ा है। बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ता द्वारा कुल 7.52 लाख रूपये का जुर्माना जमा किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर वृत्त प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि गत 22 मई 2026 को विजिलेंस टीम ने इनायतपुर (बैरागढ़ चिचली) निवासी उपभोक्ता इकबाल खान के परिसर का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान परिसर में वैध सीमा से कहीं अधिक, कुल 51.17 किलोवॉट (K W) का भार अवैध रूप से संचालित पाया गया। टीम ने तुरंत बिजली चोरी का प्रकरण दर्ज कर उपभोक्ता पर लगभग 7.52 लाख रूपये की बिलिंग की गई।

विद्युत कंपनी की अपील

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी और अनधिकृत उपयोग के विरूद्ध कंपनी द्वारा निरंतर अभियान संचालित किया जाएगा। कंपनी समस्त उपभोक्ताओं से आग्रह करती है कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे विद्युत वितरण प्रणाली पर अनावश्यक भार पड़ता है, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ ही कंपनी को राजस्व की हानि होती है। कंपनी ने कहा है कि अनधिकृत उपयोग अथवा बिजली चोरी पकड़े जाने पर न केवल भारी जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि संबंधित के विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही और जेल भेजने जैसे कड़े कदम भी उठाए जाएंगे। यदि उपभोक्ता अपने परिसर में गैर घरेलू (कमर्शियल) गतिविधि या उच्च क्षमता के उपकरण (जैसे कोल्ड स्टोरेज, ई-व्हीकल चार्जर) का उपयोग कर रहे हैं, तो नियमानुसार भार (Load) स्वीकृत कराएं तथा प्रयोजन के अनुसार कनेक्शन लें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार क्षेत्र में बिजली चोरी पकड़ने की बड़ी कार्रवाई

51 किलोवॉट का अवैध लोड पकड़ा, उपभोक्ता ने जमा किए 7.52 लाख रूपये

भोपाल,(निप्र)।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कोलार रोड क्षेत्र के इनायतपुर गांव में विजिलेंस टीम के माध्यम से कार्रवाई कर बड़े पैमाने पर हो रही बिजली चोरी को पकड़ा है। बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ता द्वारा कुल 7.52 लाख रूपये का जुर्माना जमा किया गया है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर वृत्त प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि गत 22 मई 2026 को विजिलेंस टीम ने इनायतपुर (बैरागढ़ चिचली) निवासी उपभोक्ता इकबाल खान के परिसर का औचक निरीक्षण किया था।

अशोकनगर पुलिस की बड़ी सफलता

06 घंटे में नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण का खुलासा कर बालिका को सकुशल दस्तोयाब किया

भोपाल (ए.)। अशोकनगर पुलिस ने तत्परता, संवेदनशीलता एवं पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए मात्र 06 घंटे के भीतर नाबालिग आदिवासी बालिका के अपहरण का सफलतापूर्वक पर्दाफाश कर बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन, एक महिला आरोपी सहित चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि 23 मई को प्रातः लगभग 05:00 बजे 17 वर्षीय नाबालिग बालिका घर से बाहर शौच हेतु निकली थी, तभी पूर्व से घात लगाए बैठे आरोपियों द्वारा उसे जबरन वाहन में बैठाकर अपहरण कर लिया गया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में तीन विशेष संयुक्त टीमों का गठन कर तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। एक टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों के माध्यम से लगातार विश्लेषण किया गया, जबकि अन्य टीमों द्वारा स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, होटल, ढाबों, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन आदि पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। तकनीकी एवं मैदानी इनपुट के आधार पर आरोपियों के राजगढ़ जिले की ओर जाने की जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस की संयुक्त टीमें तत्काल रवाना हुईं। पुलिस टीम द्वारा ब्यावरा के समीप घटना में प्रयुक्त वाहन सहित महिला आरोपी गुड्डी बाई गुर्जर, नीरज जोगी एवं प्रेम गुर्जर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा नाबालिग बालिका एवं एक अन्य आरोपी को नजीराबाद क्षेत्र में छोड़ने की जानकारी दी गई।

भोपाल मंडल ने चार माह में स्टेशन पर गंदगी फ़ैलाने वाले 1527 व्यक्तियों पर की कारवाई

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल सभी स्टेशनों पर स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण मुहैया कराने के प्रति लगातार प्रयासरत है। मण्डलों के रेलवे स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाती है, साथ ही नियमित उद्घोषणा के माध्यम से यात्रियों को जागरुक भी किया जाता है। इसके अंतर्गत यात्रियों से स्टेशन परिसर को साफ सुथरा रखने, धूम्रपान नहीं करने तथा यहां वहां गंदगी नहीं करने के लिए जागरूक किया जाता है। बार-बार समझाइश के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ रेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत जुर्माने की कार्यवाही की जाती है।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा वर्ष 2026 के चार माह जनवरी से अप्रैल तक चार माह में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 1,527 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 3 लाख 31 हजार 340 रूपये जुर्माना वसूला गया। गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में जनवरी में 427, फरवरी में 403, मार्च में 385 एवं अप्रैल में 312 व्यक्तियों के मामले पकडे गए मामले शामिल है। इसके अलावा जुर्माने के साथ साथ ऐसे लोगों को समझाईश भी दी जाती है। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए अनुरोध भी किया जाता है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलवे आपकी अपनी संपत्ति है, रेल परिसर में कृपया गंदगी न फैलाएं। स्टेशन का वातावरण स्वच्छ, सुंदर रखने में रेल प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बनें। गंदगी करने वालों के विरुद्ध आगे भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

भोपाल मंडल द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

भोपाल (निप्र)। रेलवे विमेन्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन भोपाल की अध्यक्षा श्रीमती अनीता त्यागी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भोपाल डॉ. अजय डोगरा के निर्देशन में भोपाल मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा नर्मदा क्लब, हबीबगंज में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर में रेलवे अधिकारियों के बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 23 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान बच्चों की आंखों, दांतों एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जांचें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गईं। साथ ही बच्चों को स्वच्छ एवं संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, रेलवे विमेन्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की सदस्यगण, सहायक नर्सिंग अधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं जागरूकता के लिए इस प्रकार के शिविरों को उपयोगी बताया। भोपाल मंडल द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन कर रेल परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

भोपाल में दाऊदी बोहरा समाज ने मनाई बकरीद, मस्जिदों में अदा हुई विशेष नमाज

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दाऊदी बोहरा समाज ने ईद-उल-अधा (बकरीद) का पवित्र पर्व मंगलवार को पूरे धार्मिक उत्साह, सादगी और अकीदत के साथ मनाया। इस अवसर पर सुबह से ही शहर की बोहरा मस्जिदों में विशेष रौनक और उल्लास देखने को मिला। समाजजनों ने विशेष नमाज अदा कर देश में अमन, भाईचारे और तरक्की की दुआ मांगी।मंगलवार सुबह से ही भोपाल के जुमेरती स्थित अलीगंज हैदरी मस्जिद सहित राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित बोहरा समाज की मस्जिदों में नमाजियों का तांता लगना शुरू हो गया था। समाज के पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे अपने पारंपरिक श्वेत परिधान लहंगा, साया और टोपी में सज-धजकर मस्जिदों में पहुंचे। मस्जिदों में धर्मगुरुओं द्वारा ईद का विशेष खुतबा (धार्मिक उपदेश) पढ़ा गया, जिसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से ईद-उल-अधा की विशेष नमाज़ अदा की। नमाज के दौरान समाज जनों ने बारगाह-ए-इलाही में सिर झुकाकर देश में अमन-चैन, खुशहाली, आपसी भाईचारे और चहुंमुखी तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के दत्त अखाड़ा घाट पर भारतीय नौ सेना बैंड की शानदार प्रस्तुति को सराहा।

ईद के चलते एमसीयू की 28 मई की परीक्षाएं स्थगित, अब 7 जून को होंगी, पुराने एडमिट कार्ड रहेंगे मान्य

भोपाल, (ए.)। ईदुज्जुहा (बकरीद) के अवसर पर घोषित सार्वजनिक अवकाश को देखते हुए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) ने 28 मई 2026 को आयोजित होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब ये परीक्षाएं 7 जून 2026, रविवार को आयोजित की जाएंगी।यह निर्णय विश्वविद्यालय परिसर सहित प्रदेशभर के उन सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू होगा, जहां एमसीयू की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को नए प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। परीक्षार्थी पूर्व में जारी एडमिट कार्ड के आधार पर ही परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों और संबद्ध अध्ययन संस्थानों से अपील की है कि वे किसी भी भ्रम से बचने के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी संशोधित परीक्षा कार्यक्रम का अवलोकन अवश्य करें।इधर, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित होने वाले साक्षात्कार कार्यक्रम में भी आंशिक संशोधन किया गया है। पहले 28 और 29 मई को प्रस्तावित इंटरव्यू अब 29 और 30 मई को होंगे। 29 मई के साक्षात्कार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे, जबकि 28 मई को निर्धारित अभ्यर्थियों के इंटरव्यू अब 30 मई को लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के इस फैसले से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिन्हें सार्वजनिक अवकाश के कारण परीक्षा और साक्षात्कार में शामिल होने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता था।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल में स्वच्छता एवं जागरुकता गतिविधियाँ आयोजित

रेलवे स्कूल इटारसी के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया पर्यावरण जागरुकता संदेश

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत भोपाल रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं रेल संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इटारसी स्टेशन पर दिनांक 26 मई 2026 को विशेष सघन स्वच्छता अभियान चलाकर सभी प्लेटफॉर्म, पैदल पुल, ट्रैक्स, यार्ड, वाटर बूथ एवं नालियों की व्यापक सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना रहा।

इसी प्रकार बीना स्टेशन पर भी विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान प्लेटफॉर्मों, पैदल पुलों, ट्रैक्स, यार्ड, वाटर बूथ एवं नालियों की साफ-सफाई कर स्वच्छ रेल परिसर का संदेश दिया गया।

डीजल लोको शेड इटारसी में विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़े के अंतर्गत शेड की सांस्कृतिक समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डीजल) पी.एस. रघुवंशी सहित अन्य अधिकारियों, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर प्रस्तुति की सराहना की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण का संदेश दिया गया।

पश्चिम मध्य रेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न्यू यार्ड इटारसी में भी छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रदूषण को दूर करो, पर्यावरण को बचाओ का संदेश देते हुए प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

उप मंडलीय रेल चिकित्सालय बीना एवं बीना रनिंग रूम में भी पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही दौरान वेंडरों एवं रेल कर्मचारियों को भी माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को कम करने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

भोपाल मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत निरंतर जन-जागरूकता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे रेलवे परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी बनाया जा सके।

पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत मुखबिरों को मिलेगा 2 लाख रुपये तक का पुरस्कार

बेटियों के सम्मान, सुरक्षित भविष्य के लिए सामाजिक जागरूकता में सक्रिय सहभागिता की अपील

भोपाल (ए.)। कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिए राज्य शासन द्वारा गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम 1994 एवं नियम 1996 (पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। आमजन को जागरूक करने और अवैध लैंगिक चयन गतिविधियों के विरुद्ध सशक्त विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना-2021 संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अवैध भ्रूण लिंग जांच, लिंग चयन अथवा संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना देकर कार्रवाई में सहयोग करने वाले मुखबिरों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। सफल सूचना अथवा स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर कार्रवाई होने एवं न्यायालय में अपराध सिद्ध होने की स्थिति में कुल 2 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि मुखबिर, डिकॉय महिला, अभियोजन अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी और अन्य अधिकृत व्यक्तियों को नियमानुसार वितरित की जाती है। योजना में मुखबिर की सूचना पर विधिक कार्रवाई होने की स्थिति में प्रथम किश्त के रूप में 1.25 लाख रुपये की राशि कोर्ट में चालान प्रस्तुत होने पर तथा द्वितीय किश्त के रूप में 75 हजार रुपये की राशि न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार सफल स्टिंग ऑपरेशन की स्थिति में मुखबिर, डिकॉय महिला एवं सहयोगियों को भी निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के प्रभावी प्रवर्तन के लिये शासन द्वारा स्टिंग ऑपरेशन को महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में उपयोग किया जा रहा है। अवैध भ्रूण लिंग जांच एवं लिंग चयन गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों और संस्थानों के विरुद्ध साक्ष्य आधारित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए डिकॉय महिला एवं मुखबिरों के माध्यम से गोपनीय स्टिंग ऑपरेशन संचालित किए जाते हैं। सफल स्टिंग ऑपरेशन के सत्यापन उपरांत प्रथम किश्त के रूप में कुल 1 लाख 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है, जिसमें मुखबिर को 50 हजार रुपये, डिकॉय महिला को 20 हजार रुपये, सहयोगी को 10 हजार रुपये, जिला नोडल अधिकारी अथवा अन्य अधिकृत अधिकारी को 15 हजार रुपये तथा अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपये दिए जाते हैं।

वन विभाग की गाड़ियों में तोड़फोड़; कर्मचारियों से भी की गई मारपीट; जानें किस बात पर भड़के ग्रामीण

उमरिया (ए.)। उमरिया के खेरवा टोला में बाघ रेस्क्यू के दौरान ग्रामीणों की भीड़ उग्र हो गई। वन अमले पर हमला, वाहन में तोड़फोड़ और महिला वन अधिकारी को बंधक बनाने के आरोप लगे हैं। पुलिस ने तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उमरिया जिले के बांधवग के पनपथा बफर क्षेत्र स्थित खेरवा टोला में बाघ के हमले के बाद शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन हिंसक घटनाक्रम में बदल गया। महिला की मौत और कई ग्रामीणों के घायल होने के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया। इस दौरान उग्र भीड़ ने वन अमले पर हमला कर दिया। पुलिस ने मारपीट, तोड़फोड़ और बंधक बनाने सहित तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, रेस्क्यू टीम बाघ को ट्रैंकुलाइज करने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान गांव में तनाव बढ़ गया और कुछ लोगों पर भीड़ को भड़काने का आरोप लगा। देखते ही देखते ग्रामीण लाठी-डंडों और पत्थरों के साथ वन विभाग के वाहनों की ओर बढ़े और शासकीय बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर कांच फोड़ दिए।

बताया गया कि जान बचाकर भाग रहे वन कर्मचारियों को भी भीड़ ने घेर लिया। आरोप है कि वाहन चालक को जमीन पर पटककर उसके सिर, हाथ, पैर और पीठ पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल चालक को बाद में पुलिस और वन अमले ने भीड़ से बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। एक अन्य घटना में वन विभाग के अधिकारी पर बांस के डंडे से हमला किए जाने की शिकायत सामने आई है। हमले में अधिकारी के सिर में चोट आई और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया।

सबसे गंभीर मामला महिला वन अधिकारी से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार रेस्क्यू में पहुंची महिला अधिकारी और उनके स्टाफ को उग्र भीड़ ने घेर लिया। आरोप है कि महिला अधिकारी को तीन से चार घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान धक्का-मुक्की, गाली-गलौज और मारपीट की गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

कालभैरव मंदिर की शीघ्र दर्शन व्यवस्था हुई सुपरहिट, मंदिर समिति को प्रतिदिन हो रही लाखों की कमाई

उज्जैन (ए.)। प्रसिद्ध भगवान कालभैरव मंदिर में इन दिनों आस्था का अनूठा सैलाब देखने को मिल रहा है। मंदिर में शुरू की गई 500 रुपये की शीघ्र दर्शन व्यवस्था श्रद्धालुओं के बीच बेहद सफल साबित हुई है। इस सुचारू व्यवस्था के चलते महज पांच दिनों के भीतर कालभैरव मंदिर प्रबंध समिति को 25 लाख रुपये से अधिक की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है। अकेले शनिवार को ही 1,876 श्रद्धालुओं ने रसीद कटवाकर दर्शन किए, जिससे समिति को एक ही दिन में 9 लाख 38 हजार रुपये का बंपर राजस्व मिला।

कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से पांच मजदूर जिंदा दफन, सभी के शव निकाले गए

पन्ना (ए.)। पन्ना के अजयगढ़ के बीहरपुरवा गांव में कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में पांच मजदूरों की मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर पुलिस टीम, राजस्व विभाग और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद है।पांचों के शव रेस्क्यू कर लिए गए हैं।

पन्ना के अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा में खेत पर कुएं की खुदाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पांच मजदूरों की मौत हो गई है। बिन्नू अहिरवार के खेत में पिछले करीब 10 दिनों से सात मजदूर कुएं की खुदाई कर रहे थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक मिट्टी धंसने से पूरा घटनाक्रम मातम में बदल गया। पन्ना जिले के जनसंपर्क अधिकारी ने एक्स पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बीहरपुरवा के नयापुरवा में मंगलवार को ग्राम पंचायत द्वारा निर्माणाधीन कुआं की मिट्टी धंसने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में पांच व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। दो व्यक्ति सकुशल बाहर निकले गए थे, हालांकि अब सभी के शवों को बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, खुदाई के दौरान दो मजदूर पानी पीने के लिए ऊपर आए ही थे कि अचानक कुएं की मिट्टी भरभराकर धंस गई और अंदर काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में दबे मजदूरों के नाम चुन्नू यादव, राजकुमार यादव, आशीष यादव और चुनवाद पाल बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू के दौरान राजकुमार यादव का शव बाहर निकाल लिया गया है।

भोजशाला मामले में कमाल मौला सोसायटी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, लगाई याचिका

इंदौर(ए.)। भोजशाला मामले में इंदौर हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। पिछले शुक्रवार को एक शहर काजी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

अब कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। पिछली याचिका पर अभी तक हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई है। धार भोजशाला को लेकर आए हाईकोर्ट के फैसले को मुस्लिम पक्ष ने फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है। अब मंगलवार को उस याचिका पर सुनवाई हो सकती है। यह याचिका कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी की तरफ से लगाई गई है। भोजशाला मामले को लेकर पहले ही सुप्रीम कोर्ट में हिंदू पक्ष की ओर से कैविएट दायर की गई है, ताकि उनका पक्ष सुने बिना स्थगन न दिया जा सके। कैविएट में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट उनका पक्ष भी सुने।

शराब दुकान के बाहर से व्यापारी का अपहरण, पुलिस ने चंद घंटों में छुड़ाया, चार गिरफ्तार

इंदौर (ए.)। इंदौर के राऊ थाना क्षेत्र से सामने आए अपहरण के एक सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। राऊ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ ही घंटों के भीतर अपहृत अनाज व्यापारी को बदमाशों के चंगुल से सकुशल मुक्त करा लिया है।

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने वारदात में शामिल चार आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश अब भी जारी है। इसके साथ ही पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

वर्दी में शराब का इंतजाम? रीवा में सायरन बजाकर शराब लेने पहुंची पुलिस, वायरल वीडियो से खुली पोल; हुई कार्रवाई

रीवा (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस की आपातकालीन सेवा डायल-112 एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जिले के मनगवां थाना क्षेत्र से सामने आए एक वायरल वीडियो ने पुलिस विभाग में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में डायल-112 वाहन सायरन बजाते हुए शराब दुकान के सामने रुकता नजर आ रहा है। इसके बाद दुकान से बाहर आया एक व्यक्ति पुलिस वाहन में मौजूद कर्मी को शराब और बीयर की बोतल थमाता दिखाई देता है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो मनगवां थाना क्षेत्र के गंगेव चौकी स्थित शराब दुकान का है। वीडियो सामने आने के बाद आम लोगों के साथ-साथ समाजसेवियों ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जिस डायल-112 सेवा को जनता की सुरक्षा और आपातकालीन मदद के लिए शुरू किया गया था, उसका इस तरह इस्तेमाल बेहद शर्मनाक है।

सायरन बजाते पहुंची डायल-112, फिर लिया शराब का पैकेट

वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि डायल-112 वाहन शराब दुकान के सामने आकर रुकता है। इस दौरान वाहन का सायरन भी बज रहा होता है। कुछ ही सेकंड बाद दुकान से एक व्यक्ति हाथ में शराब और बीयर की बोतल लेकर बाहर निकलता है और वाहन की आगे की सीट पर बैठे पुलिसकर्मी को थमा देता है। इसके बाद वाहन मौके से रवाना हो जाता है। पूरे घटनाक्रम को किसी स्थानीय व्यक्ति ने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस विभाग की छवि और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए।

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ही सरकारी वाहन का दुरुपयोग करते हुए शराब लेते नजर आएंगे, तो आम जनता पुलिस पर कैसे भरोसा करेगी। समाजसेवियों ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एसपी ने लिया तत्काल संज्ञान, सिपाही निलंबित

मामले की गंभीरता को देखते हुए रीवा पुलिस अधीक्षक गुरुकरन सिंह ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। एसपी के निर्देश पर मनगवां एसडीओपी से मामले की जांच कराई गई। जांच में प्रथम दृष्टया एक पुलिसकर्मी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि जांच अभी जारी है और यदि अन्य कर्मचारी भी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्यार की परीक्षा: गर्लफ्रेंड की शर्त पूरी करने 600 किमी दूर से पहुंचा युवक, कलेक्टर से बोला अब नहीं होगा ब्रेकअप

गर्लफ्रेंड की अनोखी शर्त पूरी करने यूपी से दतिया पहुंचा युवक, खुद अस्पताल मिलने पहुंचे डीएम

दतिया (ए.)। मध्यप्रदेश के दतिया के कलेक्ट्रेट में सोमवार को एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने हर किसी को हैरान भी किया और भावुक भी। उत्तर प्रदेश से एक युवक सिर्फ अपनी गर्लफ्रेंड की शर्त पूरी करने के लिए करीब 600 किलोमीटर का सफर तय कर दतिया पहुंच गया। युवक की जिद थी कि वह कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े से मिलकर ही लौटेगा। लेकिन इस दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह कलेक्ट्रेट परिसर में ही बेहोश होकर गिर पड़ा। प्रशासन ने तुरंत इलाज कराया और बाद में कलेक्टर खुद अस्पताल पहुंचकर युवक से मिले।

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले का रहने वाला 26 वर्षीय राजकुमार गुप्ता पेशे से टैक्सी ड्राइवर है। राजकुमार सोशल मीडिया पर दतिया कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े के काम और व्यक्तित्व से काफी प्रभावित था। इसी बीच उसकी गर्लफ्रेंड ने उससे शर्त रख दी कि अगर वह सच में उससे प्यार करता है, तो दतिया जाकर कलेक्टर से मिलकर दिखाए।

अपनी मोहब्बत की इस परीक्षा को पूरा करने के लिए राजकुमार शुक्रवार को ट्रेन से झांसी पहुंचा और वहां से बस के जरिए दतिया आया। यहां वह एक होटल में रुका। शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचा, लेकिन अवकाश होने की वजह से मुलाकात नहीं हो सकी। रविवार को भी उसे इंतजार करना पड़ा। सोमवार को जब वह फिर कलेक्ट्रेट पहुंचा, उसी दौरान तेज गर्मी, लगातार सफर और थकान की वजह से उसकी तबीयत बिगड़ गई। पानी पीते समय युवक अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत मदद की और कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े के निर्देश पर युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों के मुताबिक युवक को हल्की टैकीप्निया और हृदय संबंधी परेशानी थी, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी हालत स्थिर हो गई। खास बात यह रही कि प्रशासन को उस समय तक यह भी नहीं पता था कि युवक कौन है और दतिया क्यों आया है। इसके बावजूद पहले इंसानियत निभाई गई और इलाज को प्राथमिकता दी गई। करीब दो घंटे बाद कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े खुद जिला अस्पताल पहुंचे और युवक से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना। इस दौरान कलेक्टर ने युवक के साथ फोटो और सेल्फी भी खिंचवाई। राजकुमार ने तुरंत ये तस्वीरें अपनी गर्लफ्रेंड को भेजी और खुशी जाहिर करते हुए कहा अब मेरा ब्रेकअप नहीं होगा।

बोहरा समाज ने मनाई ईद उल अजहा

मुस्लिम धर्मवलंबी गुरुवार को मनाएंगे बकरा ईद

बुरहानपुर (ए.)। दाऊदी बोहरा समाज द्वारा मंगलवार को बकरा ईद ईद-उल-अजहा का पर्व धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। शहर की सभी दाऊदी बोहरा मस्जिदों में समाजजनों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर ईद उल अज़हा की नमाज अदा की। पर्व को लेकर सुबह से ही समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा मस्जिदों में पहुंचे और ईद उल अजहा की नवाज़ अदा की दाऊदी बोहरा समाज के पीआरओ कमेटी को ऑर्डिनेटर तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर आमिल शेख हैदर भाई साहब जमाली की सदारत में ईद उल अज़हा का पर्व मनाया गया।

व्यापार समाचार

अमेरिका-ईरान तनाव से भारतीय शेयर बाजार धड़ाम से गिरा

- सेंसेक्स में लगभग 15 अंक की गिरावट, निफ्टी 24 के करीब

मुंबई (ए.)। अमेरिका द्वारा ईरान में हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद उत्पन्न हुए वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर दिखा। निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से प्रमुख सूचकांकों ने कमजोर शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 40.80 अंक टूटकर 23,987.45 पर आ गया, वहीं सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। बड़े सूचकांकों के विपरीत, ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 प्रतिशत की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल प्रदर्शन में भी भिन्नता दिखी। कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया। दरअसल, यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता का परिणाम है। घरेलू शेयर बाजार के लिए सोमवार का दिन बेहद शानदार रहा। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की बढ़ती उम्मीदों ने दुनिया भर के निवेशकों में नया जोश भर दिया है. इस सकारात्मक माहौल की बदौलत भारतीय शेयर बाजार भारी बढ़त के साथ बंद हुआ, जिससे ऊर्जा (कच्चे तेल) की कीमतों को लेकर बनी चिंताएं काफी हद तक कम हो गई हैं। कारोबार के अंत में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 312.40 अंककी मजबूती के साथ 24,031.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 1,073.61 अंक की भारी बढ़त लेकर 76,488.96 के स्तर पर थमा।

महंगाई की मार : पेट्रोल-डीजल के बाद अब CNG के बढ़े दाम, इतने रुपये हुई महंगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य-पूर्व में जारी संकट के बीच, महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) के दाम भी बढ़ गए हैं। दिल्ली में मंगलवार से सीएनजी 2 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है। अब राजधानी में सीएनजी 81.09 रुपए की बजाय 83.09 रुपए प्रति किलो मिलेगी। पिछले 11 दिनों में सीएनजी के दाम में कुल 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को 2 रुपए, 18 मई को 1 रुपए, 23 मई को 1 रुपए और आज यानी 26 मई को 2 रुपए प्रति किलो सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है, जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है।

ईंधन की कीमतों में इस बढ़ोतरी का असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य शहरों में भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में हुए लगातार संशोधनों के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी के दाम बढ़कर 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच चुके हैं।

घरेलू वायदा बाजार में सोना-चांदी लुढ़के, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी

- सोना 1,58,55 रुपये और चांदी 2,73,5 रुपये के करीब

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की चमक फीकी पड़ी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों ही कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक नरमी जारी रही। घरेलू बाजार में जहां सोना 1,58,550 रुपये और चांदी 2,73,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने और चांदी में तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। एमसीएक्स पर सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट मंगलवार को 292 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,789 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,59,081 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 499 रुपये गिरकर 1,58,582 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,58,789 रुपये का उच्च और 1,58,534 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा है। इसी तरह चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट भी सुस्ती के साथ खुला। यह एमसीएक्स पर 1,989 रुपये की गिरावट के साथ 2,74,727 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,76,716 रुपये था। खबर लिखे जाने तक चांदी 3,210 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 2,73,506 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। दिन के दौरान इसने 2,74,727 रुपये का उच्चतम और 2,72,985 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ।

चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोने और चांदी के वायदा भाव में मजबूती देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना आज 4,532 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 16.10 डॉलर की तेजी के साथ 4,539.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,523.20 डॉलर था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर प्रति औंस का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विजय के उदय की पृष्ठभूमि

टीवीके के संस्थापक विजय खुद को पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं।तमिलनाडु में 59 साल बाद ऐसा हुआ है, जब वहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम या अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के अलावा कोई पार्टी कोई सत्ता की दावेदार बनी है। 1967 में पहली बार डीएमके सत्ता में आई। 1972 में एमजी रामचंद्रन ने इससे अलग होकर एडीएमके का गठन किया। 1967 से 2021 तक डीएमके ने सात बार और एडीएमके ने पांच बार सरकार बनाई। मगर 2026 में ये सिलसिला टूटने जा रहा है। चंद्रशेखर जोसेफ विजय पहले ही दांव में अपनी पार्टी टीवीके- तमिल वेट्री कड़गम (तमिल विजय संघ)- को सबसे बड़ा दल बनवाने में सफल रहे हैं।फिल्म अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद राजनीति में आए 51 वर्षीय विजय ने 2024 में टीवीके का गठन किया। वे खुद को ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। जयललिता की मृत्यु के बाद एडीएमके के पास वैसे भी कोई लोकलुभावन चेहरा नहीं बचा है। इसके बावजूद इस चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो यह संभवत: राज्य में मौजूद एंटी इन्कबेंसी (डीएमके सरकार से असंतोष) का परिणाम है। लंबे समय से परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के दाग डीएमके की छवि पर रहे हैं।मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुजरे पांच साल में अपनी राजनीति को हिंदुत्व और हिंदी विरोध पर केंद्रित रखा। मगर जन आंकाक्षाओं के मोर्चे पर वे खरे नहीं उतरे। इससे विजय के उदय की पृष्ठभूमि बनी। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नए चेहरे पर दांव लगाने का मन बनाया। वैसे नीति या कार्यक्रम के मामले में विजय ने भी कुछ नया पेश नहीं किया है। उनका चुनाव घोषणापत्र भी प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण, दुल्हनों को आठ ग्राम सोना जड़ित सिल्क साड़ी देने, 200 यूनिट फ्री बिजली, किसानों की पांच लाख रुपये तक की कर्ज माफी और तमिलनाडु को 2023 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे बड़बोले वादों से भरा-पड़ा है। यानी तमिलनाडु में नए चेहरे की सदारत में भी लोकलुभावन- यानी वोट खरीदी- की पुरानी सियासत जारी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026: दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

प्रताव राव जाधव

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नज़र आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग।

प्राकृतिक संसाधनों के ज़रुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने मिशन लाइफ़स्टाइल फ़ॉर एनवायरनमेंट के ज़रिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। सीओपी26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: आज ज़रूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री

ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक ज़िम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-ज़रूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज़ की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।

ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन अपरिग्रह - यानी अनावश्यक चीज़ों को जमा करने से बचना और संतोष यानी अपनी असली ज़रूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का ज़िम्मेदार रखवाला बनाता है।

पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग

पृथ्वी पर इंसानी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तो काफ़ी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं।

योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाज़ी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मज़बूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी ज़रूरत हमें अपनी असली ज़रूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फ़र्क समझने के लिए होती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए ज़रुरी है।

इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

भारत का वैश्विक योग नेतृत्व

आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है।

हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में उभरा है।योग के ज़रिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के ज़रिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

(चिंतन-मनन) धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार और नितिन नवीन की कार्यकारणी इसी पखवाड़े में , सुनील बंसल होगें संगठन महा सचिव

अजय दीक्षित

लुटियंस पर पकड़ रखने वाले सूत्र ने बताया है कि मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार इसी हफ्ते दस दिन में हो सकता है, सूत्रों की माने तो कम से कम आठ मंत्री हटाए जा सकते हैं जिसमें सबसे बड़े नाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पेट्रोलियम मंत्री हरदेव पूरी शामिल है। जिन चेहरों को जगह मिल सकती है उनमें कर्नाटक से सूर्या, हिमाचल से अनुराग ठाकुर, पंजाब से राघव चड्ढा और क्रिकेट खिलाड़ी हरभजन सिंह शामिल हैं। यह विस्तार उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल, कर्नाटक, गोवा, विधानसभा चुनाव को लेकर किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश से जगदंबिका पॉल, बिहार से वकील साहब रविशंकर प्रसाद और राजीव प्रताप रूडी, शामिल है। उत्तर प्रदेश से कानपुर के संसद रमेश अवस्थी , देवरिया से संसद प्रेम मणि त्रिपाठी को शामिल किया जा सकता है वही एल मुरुगन, भूपति राजू को मंत्रिमंडल से हटाकर संगठन में भेजा जा सकता है। नितिन नवीन की कार्यकारणी में 08 महासचिव,08 उपाध्यक्ष, एक एक राज्यों से होगें, सांसद, विधायक को संगठन के पद नहीं मिल सकेंगे।

मोदी मंत्रिमंडल का 2024 के बाद पहला विस्तार है । एनडीए के सहयोगियों को भी जगह मिल सकती है बिहार से संजय कुमार झा, मंत्री परिषद में आ सकते हैं।

नितिन नवीन की कार्यकारणी भी इसी 10 में जाएगी क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह यानी महासचिव दत्तात्रेय होसबोल जी से भी संगठन मंत्रियों को लेकर चर्चा हुई है। नितिन नवीन की कार्यकारणी में पचास वर्ष तक के लोगों को प्रतिनिधित्व मिलेगा क्योंकि राष्ट्रीय

अध्यक्ष नितिन नवीन 46 वर्ष के है । समझा जाता है कि राष्ट्रीय महासचिव संगठन बी एल संतोष अवकाश ग्रहण करेंगे उनके स्थान पर पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव में महती भूमिका निभा चुके महासचिव सुनील बंसल अब संगठन महा सचिव होंगे,क्षेत्रीय प्रचारक शिवप्रकाश,अजय जंबाल संघ में बापिस जायेंगे।

सबसे उलझा हुआ काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आए वरिष्ठ प्रचारकों को समावेश करना है।यह कार्य दत्तात्रेय होसबोल को करना है।सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रांत प्रचारक स्तर के और केंद्र शासित प्रदेशों में विभाग प्रचारक स्तर को संघ ने तय किया। केंद्रीय कार्यालय प्रमुख महासचिव अरुण सिंह के स्थान पर सौदान सिंह, और गणेश मिश्रा के किसी राज्य के संगठन महा मंत्री पद की आने की संभावना। गणेश मिश्रा अभी बंगाल में क्षेत्रीय प्रचारक हो कर मजदूर संघ के काम को देख रहे हैं।

संघ की ओर से भारतीय जनता पार्टी या किसी अन्य संगठन में समन्वय का काम अखिल भारतीय स्तर पर सदस्य अरुण जैन, और सुरेश सोनी को तय करना है।

केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में नए राज्य महासचिव संगठन तैनात किये जायेंगे जो इन्हीं राज्यों के होंगे। हिंदी भाषी राज्यों में नितिन नवीन संघ से क्षेत्रीय प्रचारक स्तर के लोग मांगे हैं। दत्तात्रेय होसबोल जी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत जी से सैद्धांतिक सहमति ली है।मोदी मंत्रिमंडल में सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों,जातियों,उपजातियों, अनुसूचित जाति, जनजाति,वर्गों, भाषाई आधार, समावेश किया जाएगा।

लेकिन प्राथमिकता तोर पर युवाओं को मौका दिया जाने के संकेत है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, पश्चिमी बंगाल के मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी, योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्व शर्मा, मोहन यादव, नायब सिंह सैनी,में से दो को भाजपा की सर्वोच्च संस्था केंद्रीय पार्लियामेंट बोर्ड में सदस्य बनाया जा सकता है।अभी ये लोग मुख्यमंत्री के नाते बोर्ड के सदस्य थे। कुछ मंत्रियों के विभाग भी बदले जा सकते हैं। जिनमें भूपेंद्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह, शामिल हैं। राष्ट्रपति श्रीमति द्रोपदी मुर्मू के कार्यकाल समाप्ति के बाद नए चुनाव के उम्मीदवार भी दिल्ली के सत्ता गलियारों में घूमने लगा है। सूत्रों ने जिन नामों की चर्चा की है उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम भी है। भारतीय जनता पार्टी में निर्णय लेने की एक प्रक्रिया है। यह कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर संघ तक जाता है।

मेष राशि: आज आपका दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी दोस्त से बात-बात में ही आपको महत्वपूर्ण काम मिल सकता है जिससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित हो सकते हैं। ऑफिस में आज कार्यभार अधिक हो सकता है। कामकाजी महिलाओं को अपने काम के लिये किसी संस्था से सहयोग मिलेगा।

वृष राशि: आज के दिन आपके लिए इनोवटिव होने वाला है। आज आपकी कार्यप्रणाली में नवाचार देखने को मिलेगा। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिये प्रोत्साहन मिल सकता है। आपको धन लाभ होगा। आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे।

मिथुन राशि: आज आपके जीवन में नयी-नयी खुशियां आयेंगी और आपका दिन शुभ कार्यों में बीतेगा। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। धार्मिक स्थानों पर आना जाना लगा रहेगा साथ ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने का विचार करेंगे। संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता वाला रहेगा। आज आपको अपने पेरेंट्स का सही मूड समझकर उनसे अपनी जरूरी बातें अवश्य शेयर करें। सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। परिवार में स्थिति ठीक बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव लेकर आएगा। आपको अपने हर काम को तय समय में बांटकर करने की जरूरत है। अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से चीजें अच्छे से पूरी होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे। घर का माहौल ठीक बना रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब के लिए बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, आज उन्हें किसी बड़े राजनेता का सानिध्य मिलेगा साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा। कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं। छात्रों के लिये दिन सफलता दिलाने वाला साबित होगा। छात्र आज अपनी पढ़ाई को लेकर बहुत ही उत्साहित रहेंगे। गरम हवाओं से सावधान रहें और सीजनल फलों का सेवन अवश्य करें।

तुला राशि: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिये काफी दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है। आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा। संगीत से जुड़े लोगों को किसी अच्छे प्लेटफॉर्म पर जाने का अवसर मिल सकता है।

वृश्चिक राशि: आज का आपके लिए सामान्य रहेगा। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का नया रास्ता मिल सकता है। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। किसी काम की नए सिरे से शुरुआत कर सकते हैं। आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं। आपको उस काम के लिये आज सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर राशि: आज आपका दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होगा। यदि आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरुरत है। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। काफी दिनों से पेंडिंग महत्वपूर्ण सरकारी काम आज किसी राजनीतिक हस्ती के सहयोग पूरा हो जाएगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर रहेंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। किस बड़ी विदेशी कंपनी से नौकरी के लिये आपको अच्छा ऑफर मिल सकता है।

विश्व के नेताओं को क्यों समझ नहीं आती शांति की भाषा।

संजीव ठाकुर

मानव सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरों की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है।

आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था

आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती। लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं,अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णत: स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।

विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है—सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था

मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती।

वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था—यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युद्ध जितना लंबा चलता है, हथियार उद्योग उतना अधिक लाभ कमाता है। ऐसे में शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा सदैव वसुधैव कुटुंबकम् की रही है। भगवान बुद्ध ने अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने विश्व बंधुत्व की बात की। फिर भी आधुनिक विश्व ने इन आदर्शों को केवल भाषणों तक सीमित कर दिया है। यदि विश्व नेतृत्व वास्तव में शांति चाहता, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उतना ही खर्च होता जितना हथियारों पर किया जा रहा है। आज आवश्यकता केवल राजनीतिक समझौतों की नहीं, बल्कि मानसिक क्रांति की है। विश्व नेताओं को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। युद्ध केवल विनाश की नई नींव रखता है। शांति कमजोरी नहीं बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। जो नेता संवाद, सहिष्णुता और मानवता की रक्षा करते हैं, इतिहास अंतत: उन्हीं को महान मानता है।अंतत: यह कहा जा सकता है कि मानसिक रूप से भ्रमित वैश्विक नेतृत्व ने दुनिया को भय, असुरक्षा और संघर्ष के द्वार पर ला खड़ा किया है। यदि समय रहते शांति, सहअस्तित्व और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें एक असफल सभ्यता के रूप में याद करेंगी। दुनिया को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो हथियारों की आवाज़ नहीं, बल्कि मानवता की पुकार सुन सकें। तभी यह पृथ्वी वास्तव में शांति का घर बन सकती है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 27 मई 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

दर्दनाक हादसा : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पलटी स्लीपर बस, 6 की गई जान-32 घायल

उन्नाव,(आरएनएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर औरास थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में बिहार के एक दरोगा, एक कैदी समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 यात्री घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बस दिल्ली से बिहार जा रही थी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक को झपकी आने से बस अनियंत्रित हो गई। हादसा सुबह करीब छह बजे हुआ, उस समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। बस के पलटते ही चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री खिड़कियों से बाहर उछलकर एक्सप्रेसवे के नीचे खंती में जा गिरे।

बताया गया कि बिहार पुलिस के दरोगा रामचंद्र एक कैदी छत्रपाल को बयान दर्ज कराने के लिए सिवान से दिल्ली ले गए थे और वापस बिहार लौट रहे थे। हादसे में दोनों की मौत हो गई। घटना के करीब आठ मिनट बाद मौके पर पहुंचे यूपीडा कर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। औरास पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। एएसपी शैलेंद्र लाल समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था कराई। गंभीर रूप से घायल कई यात्रियों को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। पुलिस और यूपीडा ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

पंजाब निकाय चुनावों के लिए मतदान शुरू, बैलेट पेपर से डाले जा रहे वोट; 29 मई को आएंगे नतीजे

चंडीगढ(आरएनएस)। पंजाब में आज निकाय चुनावों के लिए मतदान हो रहा है। राज्य में 8 नगर निगमों पर वोटिंग जारी है, जनमें बठिंडा, अबोहर, बटाला, बरनाला, कपूरथला, मोगा, पठानकोट और मोहाली शामिल हैं। वहीं इसके अलावा 75 नगर कौंसिल और 20 नगर पंचायतों के लिए भी मतदान हो रहा है।

बता दें पंजाब में इस बार के निकाय चुनावों में इवीएम का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, बल्कि इस बार बैलेट पेपर से वोट डाले जा रहे हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शुरू हो गया है, जो शाम 5 बजे तक चलेगा। इस चुनाव में 7,555 कैंडिडेट चुनाव मैदान में हैं। 36.73 लाख वोटर मतदान करेंगे।

चुनाव को लेकर पूरी सख्ती बरती गई है। राज्य चुनाव आयोग ने 9 चीजों को अंदर ले जाने पर रोक लगा दी है। यहां तक कि स्विच ऑफ मोबाइल भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है।वोटिंग के चलते आज पंजाब के सरकारी छुट्टी है। इसके अलावा शराब बिक्री पर भी रोक लगाई गई है। वोटिंग में किसी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए 35 हजार पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं इन चुनावों के नतीजे 29 मई को आएंगे।

चंडीगढ़ में फिल्म 'धुरंधर' के प्रोडक्शन डिजाइनर पर दुष्कर्म का मामला दर्ज, युवती ने लगाए संगीन आरोप

चंडीगढ़, (आरएनएस)। फिल्म 'धुरंधर' के प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस. जोहरे के खिलाफ चंडीगढ़ के सेक्टर-17 थाने में एक युवती से दुष्कर्म, मारपीट और अवैध रूप से बंधक बनाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था, हालांकि बाद में उसे जिला अदालत से जमानत मिल गई। यह मामला 21 अप्रैल 2026 को दर्ज किया गया था, जिसका खुलासा सोमवार देर शाम हुआ।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मूल रूप से चंडीगढ़ के खुड्डा लाहौरा की रहने वाली और वर्तमान में नई दिल्ली में रह रही युवती ने 20 अप्रैल को सेक्टर-17 थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे शहर के एक फाइव स्टार होटल में बुलाया, जहां उसकी ड्रिंक में कोई संदिग्ध नशीला पदार्थ मिला दिया गया। हालत बिगड़ने पर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया, मारपीट की और उसे गलत तरीके से बंधक बनाकर रखा।युवती की शिकायत पर पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठकः जयशंकर बोले- स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत हमारी साझा जिम्मेदारी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक हो रही है। इसमें शामिल होने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग दिल्ली में हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि बैठक में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक लचीलेपन को मजबूत करने और ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

जयशंकर ने कहा कि हिंद-प्रशांत को को वैश्विक विकास और स्थिरता का वाहक बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में हमारे अधिकारियों ने समुद्री सुरक्षा, अहम तकनीक, आर्थिक मजबूती और एचएडीआर (मानवीय सहायता और आपदा राहत) जैसी मुख्य प्राथमिकताओं पर सहयोग को आगे बढ़ाया है। हमने कई पहलों पर उत्साहजनक प्रगति देखी है। समुद्री लोकतंत्र, बहुलवादी समाज और बाजार अर्थव्यवस्थाओं के तौर पर, हम एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के प्रति अपनी जिम्मेदारी साझा

करते हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री रुबियो ने कहा, क्वाड की ताकत प्रत्येक सदस्य देश के अनूठे योगदान में निहित है। यह समूह केवल चर्चाओं का मंच नहीं है, बल्कि ये चारों देश मिलकर मानवीय संकट, ऊर्जा सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता और महत्वपूर्ण खनिज एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। क्वाड समूह एक चर्चा मंच से विकसित होकर एक कार्रवाई-उन्मुख रणनीतिक साझेदारी में तब्दील हो रहा है।

जापान के विदेश मंत्री ने कहा, यह बैठक दुनिया को दृढ़ संदेश देती है कि क्वाड स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक को साकार करने के लिए सहयोग को मजबूती से बढ़ावा देगा। हिंद-प्रशांत देशों को लचीलापन और आर्थिक सुरक्षा सहित अपने भविष्य का निर्धारण करने के लिए आवश्यक क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि ईरान युद्ध का हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ रहा है।ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक ऐसी शक्ति के रूप में मिल रहे हैं जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विश्व के स्वरूप को आकार देने में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस समूह ने आपदा राहत, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, समुद्री केबल, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में ठोस परिणाम हासिल किए हैं। चारों देश क्षेत्रीय सहयोग प्रयासों को गति प्रदान करते हुए क्वाड को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लखीमपुर खीरी के कारीबरेडी गांव में लगी भीषण आग, 50 घर जले, पांच मवेशी मरे, लाखों का नुकसान

लखीमपुर खीरी ,(आरएनएस)। जिले के मितौली तहसील क्षेत्र के कारीबरेडी गांव में सोमवार रात भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में करीब 50 घर जल गए, जिससे ग्रामीणों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग से पांच मवेशी जलकर मर गए।

रात में आग लगने के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता, सीओ यादवेंद्र यादव और एसएचओ महेश पाठक मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाईं।

तेज आंधी के कारण आग तेजी से फैली और पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया। तहसील प्रशासन और पुलिस सुबह से ही गांव में मौजूद रही। टीम राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रही। प्रशासन ने अग्निकांड पीड़ित परिवारों को सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के जैसलमेर जिले में सांचू सीमा चौकी के दौरे के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ।

प्रधानमंत्री ने विश्व के नेताओं को दिए गए कूटनीतिक उपहारों के माध्यम से भारत की जनजातीय विरासत का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल की अपनी कूटनीतिक विदेश यात्राओं के दौरान विश्व के नेताओं को देश की विविधतापूर्ण स्वदेशी कला और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष रूप से तैयार किए गए उपहार भेंट करके भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत और पारंपरिक शिल्प कौशल को दर्शाया है।

स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया को मध्य प्रदेश की परंपरागत गोंड पेंटिंग भेंट की गई जो भारत की जीवंत जनजातीय कला की विरासत का प्रतीक है। गोंड आदिवासी समुदाय की इस कला को अपने जटिल बिंदु-रेखा पैटर्न, चमकदार प्राकृतिक रंगों और प्रकृति से प्रेरित विषयों के चित्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। गोंड कला मध्य भारत के आदिवासी कारीगरों को स्थायी रूप से आजीविका के अवसर प्रदान करती रहती है।इसी प्रकार, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को असम के मूगा रेशम की पारंपरिक शॉल और मणिपुर के तंगखुल नागा समुदाय की ओर से निर्मित शिरुई लिली की शॉल उपहार में दी गयी। अपनी विशिष्ट प्राकृतिक सुनहरी चमक और टिकाऊ होने के कारण प्रसिद्ध मूगा रेशम असम की सदियों पुरानी बुनाई परंपरा का प्रतीक है और इसे भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। वहीं, शिरुई लिली की शॉल तंगखुल नागा जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और कलात्मक परंपराओं को दर्शाती है। यह मणिपुर के दुर्लभ राज्य पुष्प शिरुई लिली से प्रेरित है।

संयुक्त अरब अमीरात की राजमाता को मणिपुर का काला चावल (चक-हाओ) उपहार में दिया गया जो इस क्षेत्र के जनजातीय पहाड़ी समुदायों की ओर से पारंपरिक धरोहर के रूप में उगाया जाने वाला अनाज है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नाम पर पाकिस्तान ने रची घिनौनी साजिश, पीआईबी ने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली,(ए)। सोशल मीडिया पर एक बार फिर भारत विरोधी दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश की गई है। पाकिस्तान से जुड़े एक प्रोपेगेंडा सोशल मीडिया हैंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लेकर यह झूठ परोसा है। पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा द्वारा यह वायरल किया जा रहा है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को भारत का समर्थन देने से संबंधित एक बयान दिया है। हालांकि जांच में यह पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा पूरी तरह झूठा व निराधार साबित हुआ है।

सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी पीआईबी फैक्ट चेक ने इस दावे को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताया है। एजेंसी ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि रक्षा मंत्री ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा दावा पूरी तरह भ्रामक है। पीआईबी फैक्ट चेक ने लोगों को सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि भारत सरकार के खिलाफ झूठे नैरेटिव फैलाने वाले अकाउंट्स से सतर्क रहें। एजेंसी ने यह भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध या भ्रामक पोस्ट को बिना सत्यापन शेयर न करें। फर्जी खबरों और दुष्प्रचार के खिलाफ सरकार लगातार निगरानी कर रही है।

भारत-जापान संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को एक नई गति प्रदान की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत और जापान के बीच कार्यबल गतिशीलता सहयोग पर चर्चा करने के लिए 25 मई को टोक्यो में एक संयुक्त संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी जापान स्थित भारतीय दूतावास और जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। इस अवसर पर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुश्री वंदना गुरनानी ने मुख्य संबोधन दिया।

भारत और जापान के बीच कुशल कार्यबल गतिशीलता और मानव संसाधन विकास में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा के लिए इस संगोष्ठी में जापानी नीति निर्माताओं, उद्योग जगत प्रमुखों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यबल गतिशीलता से जुड़े हितधारकों को एक मंच पर लाया गया।

इस कार्यक्रम में भारत और जापान के कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें जापान की प्रतिनिधि सभा के सदस्य जैसे पूर्व न्याय मंत्री श्री यामाशिता, अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग राज्य मंत्री श्री इनो, शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री नाकामुरा, जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के अध्यक्ष श्री तादाशी माएदा, जापान के विदेश मंत्रालय के उप महानिदेशक श्री केंगो ओत्सुका और जापान में भारत की राजदूत सुश्री नगमा मोहम्मद मल्लिक शामिल थे।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव ने अपने मुख्य संबोधन में वैश्विक कार्यबल के एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने पारदर्शी, नैतिक और व्यापक अंतरराष्ट्रीय श्रम गतिशीलता मार्ग तैयार करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति, सुदृढ़ कौशल विकास प्रणाली और संस्थागत सुधार देश को जापान सहित वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए कुशल मानव संसाधन का एक विश्वसनीय स्रोत बनाते हैं।

उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, शिक्षुता प्रणालियों, डिजिटल कौशल विकास प्लेटफार्मों और कैरियर सेवाओं द्वारा समर्थित भारत के व्यापक कार्यबल तैयारी तंत्र पर भी विस्तार से चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की स्थिति की व्यापक समीक्षा बैठकें आयोजित की। इन बैठकों का आयोजन नई दिल्ली में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और परियोजना ठेकेदारों की उपस्थिति में किया गया। श्री गडकरी ने समीक्षा बैठक में राजस्थान के 10,064 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव की स्थिति का आकलन किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमाचल प्रदेश में 1,947 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की प्रगति की समीक्षा भी की।श्री गडकरी ने टिकाऊ, मजबूत और कुशल राजमार्ग अवसंरचना के विकास को सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों के कड़ाई से पालन और उन्नत प्रौद्योगिकियों तथा आधुनिक निर्माण पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि मजबूत राजमार्ग नेटवर्क कनेक्टिविटी में सुधार, आर्थिक विकास को गति देने, यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और प्रमुख गलियारों में निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

तेल-गैस भंडारों का पता लगाने के लिए पूरे देश में नए सिरे से सर्वे करेगी सरकार

नईदिल्ली(आरएनएस)। ईरान युद्ध के चलते कच्चे तेल और गैस की कीमतों पर हुए असर ने सरकार को घरेलू स्तर पर विकल्प तलाशने के लिए मजबूर कर दिया है। अब सरकार गैस और तेल के भूमिगत भंडारों का पता लगाने के लिए देशभर में सर्वे कराने की तैयारी कर रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इसके लिए कंपनियों को आमंत्रित किया है। इस दौरान जमीन का 3डी सर्वे कर भंडारों का पता लगाया जाएगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक निविदा जारी कर इस काम के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया है। निविदा में कहा गया है कि इसका उद्देश्य पुराने भूकंपीय डेटा को पुन: संसाधित करना और देश भर के तलछटी बेसिनों में नए 3डी भूकंपीय सर्वेक्षण करना है। नोटिस के अनुसार, ये काम ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए किया जा रहा है। इस काम को पेट्रोलियम मंत्रालय के हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय द्वारा किया जा रहा है।

सरकार पुराने डेटा की दोबारा स्टडी कर फिर आधुनिक तकनीक के जरिए सर्वे को अंजाम देगी। अधिकारियों का मानना है कि उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग और आधुनिक डेटा प्रोसेसिंग तकनीकों सहित नई तकनीकें,

जमीन के नीचे मौजूद उन संभावित हाइड्रोकार्बन भंडारों का पता लगा सकती हैं, जिन्हें शायद पुराने तरीकों द्वारा स्पष्ट रूप से पता नहीं लगाया जा सका होगा। इसका उद्देश्य नए भूमिगत भंडारों की पहचान करना और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। सूत्रों ने सरकारी दस्तावेजों के हवाले से बताया गया कि सरकार पूर्वी तट पर बंगाल-पूर्णिया, महानदी, कृष्णा-गोदावरी, कावेरी और अंडमान अपतटीय क्षेत्रों को कवर करते हुए एक बहु-बेसिन भूवैज्ञानिक सर्वे की तैयारी कर रही है। सर्वे में बंगाल-पूर्णिया और महानदी सर्वेक्षण में ही 45,000 किलोमीटर की रेखाएं शामिल होंगी। अंडमान बेसिन सर्वेक्षण में 43,000 किलोमीटर की रेखाएं, कृष्णा-गोदावरी में 43,000 किलोमीटर, जबकि कावेरी बेसिन में 30,000 किलोमीटर की रेखाएं जुड़ेंगी। सर्वे करीब 2 साल में पूरा होने की उम्मीद है।दरअसल, भारत अपनी जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ईरान युद्ध के चलते पैदा हुए हालात के बाद तेल की कीमतें बढ़ी हैं और भारत को अपनी निर्भरता के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अन्य देशों पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों की ओर बढ़ रही है। यही वजह है कि घरेलू स्तर पर उत्पादन की संभावना तलाशने के लिए सर्वे किया जा रहा है।

राम रहीम को फिर मिली 30 दिन की पैरोल, 20 साल की सजा में 16वीं बार आया बाहर

रोहतक ,(आरएनएस)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह एक बार फिर जेल से बाहर आ गया है। हरियाणा सरकार ने गुरमीत राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मंजूर की है। इसके बाद मंगलवार सुबह वह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला। जानकारी के अनुसार, गुरमीत राम रहीम सुबह करीब 6 बजकर 34 मिनट पर जेल से बाहर आया। इस दौरान जेल परिसर के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं थी। गौरतलब है कि साध्वियों के यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड के मामले में 20 साल की सजा काट रहा गुरमीत राम रहीम अगस्त 2017 से सुनारिया जेल में बंद है।

यह 16वीं बार है जब गुरमीत राम रहीम पैरोल या फरलो पर जेल से बाहर आया है। इससे पहले भी वह 15 बार जेल से बाहर आ चुका है। इसी साल जनवरी महीने में उसे 40 दिन की पैरोल मिली थी, जिसके बाद वह 15 फरवरी को वापस सुनारियां जेल लौटा था।

गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल मिलने को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। विपक्षी दलों और कई सामाजिक संगठनों ने पहले भी इस पर आपत्ति जताई है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि पैरोल नियमों के तहत दी जाती है। इसी साल जनवरी में भी वह जेल से बाहर आया था। जानकारी के मुताबिक, इससे पहले 15 सितंबर, 2025 को भी राम रहीम को 40 दिनों की पैरोल मिली थी।

अमेरिकी हमलों से भड़का ईरानः गंभीर परिणाम भुगतने की दी चेतावनी, बोला- किसी भी हमले का देंगे मुंहतोड़

दुबई (ए.)। ईरान ने सोमवार को हुए अमेरिकी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। ईरान का कहना है कि ये हमले अमेरिका के बुरे इरादे और अविश्वसनीयता को दर्शाते हैं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है।

अमेरिका ने क्या कहा?

वहीं, अमेरिकी सेना ने दक्षिण ईरान में किए गए इन हमलों को रक्षात्मक बताया है। अमेरिका का कहना है कि उन्होंने मिसाइल लॉन्च करने वाली जगहों और बारूदी सुरंग बिछाने वाली नावों को निशाना बनाया। अमेरिका ने यह भी दावा किया कि हफ्तों से चल रहे संघर्ष विराम को देखते हुए उसने काफी संयम से काम लिया है।

ईरान ने दी चेतावनी

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को संघर्ष विराम का सीधा उल्लंघन बताया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि इन हमलों से होने वाले सभी परिणामों की जिम्मेदारी वॉशिंगटन की होगी। ईरान ने अपने बयान में

साफ कहा कि वह किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब दिए बिना नहीं रहेगा। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया कि उन्होंने अपनी हवाई सीमा में घुसने वाले ड्रोन और एक लड़ाकू विमान को मार गिराया और उन्हें खदेड़ दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह घटना ठीक किस समय हुई। इन हमलों का असर चल रही बातचीत पर क्या पड़ेगा, यह अभी साफ नहीं है। यह तनाव तब बढ़ा है जब ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ कतर में बातचीत के लिए मौजूद थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार को कहा था कि बातचीत अच्छी दिशा में आगे बढ़ रही है। सात अप्रैल से शुरू हुआ संघर्ष विराम अब तक काफी हद तक बना हुआ था, लेकिन इन हमलों ने इसे कमजोर कर दिया है। बातचीत का एक मुख्य हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य है। यह दुनिया के कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इसे बंद कर दिया था, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा। अब ईरान चाहता है कि अमेरिका उसके बंदरगाहों की सैन्य नाकेबंदी खत्म करे, जो 17 अप्रैल से जारी है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने दी चेतावनी

होर्मुज के बंद होने से दुनिया भर में खाद की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) ने चेतावनी दी है कि यह संकट वैश्विक खाद्य प्रणाली के लिए एक बड़ा झटका है।

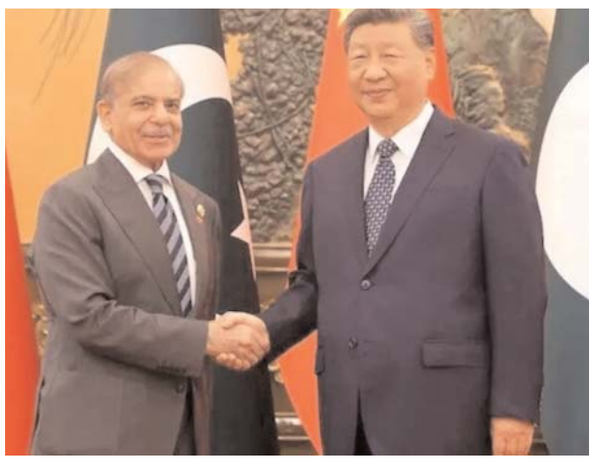

भारत के दुश्मनों की चीन में जमकर हो रही खातिरदारी

भारत के लिए रणनीतिक चुनौती

बीजिंग,(ए.)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इन दिनों बीजिंग में पाकिस्तानी नेताओं की विशेष खातिरदारी में जुटे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर बीजिंग पहुंचे। हालांकि, इस दौरे का आधिकारिक उद्देश्य पश्चिम एशिया (ईरान-अमेरिका तनाव) में शांति स्थापित करने के रास्ते तलाशना बताया गया है, लेकिन धरातल पर दोनों देश अपना पुराना भाईचारा और कूटनीतिक गठजोड़ दिखाने में व्यस्त हैं। ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई बैठक के दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने शहबाज शरीफ को अपना पुराना मित्र और पाकिस्तान को एक अटूट दोस्त बताया।

जिनपिंग ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करने की कोशिशों के लिए पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भी खुलकर तारीफ की। दूसरी तरफ, शहबाज शरीफ ने भी पश्चिम एशिया की स्थिति पर चीनी प्रस्तावों की सराहना की और चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग से मुलाकात कर शांति बहाली के प्रयासों में चीन का सहयोग मांगा। दरअसल, पाकिस्तान इस क्षेत्र में मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कोई बड़ी कामयाबी न मिलने के बाद उसने चीन का रुख किया है। चीन और पाकिस्तान का यह खुला प्रदर्शन भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाने वाला है। हाल ही में चीन ने पहली बार यह स्वीकार किया था कि वह एक सैन्य अभियान के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद कर रहा था। ऐसे समय में जब ईरान-अमेरिका तनाव के कारण वैश्विक संतुलन डगमगा रहा है, चीन और पाकिस्तान की यह जुगलबंदी भारत के लिए दोहरे मोर्चे की चुनौती को और गंभीर बना सकती है। चीन, पाकिस्तान के जरिए इस पूरे क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक और सैन्य पकड़ को मजबूत करना चाहता है।इस बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के अगले चरण के काम में तेजी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत शुरू से ही सीपीईसी का कड़ा विरोध करता रहा है, क्योंकि इस परियोजना का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत ने हमेशा स्पष्ट रुख अपनाया है कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां किसी भी देश द्वारा किया जाने वाला कोई भी निर्माण कार्य पूरी तरह अवैध है।

लंदन में 57वीं जगन्नाथ रथ यात्रा

-प्रवासी भारतीय और विदेशी हजारों की संख्या में शामिल

लंदन (ए.)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भगवान जगन्नाथ की 57वीं ऐतिहासिक रथ यात्रा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई। इस दौरान

हजारों प्रवासी भारतीयों के साथ बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, भजन-कीर्तन और ढोल-नगाड़ों के बीच निकली यात्रा ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ को खींचकर पूजा-अर्चना की। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस्कॉन संस्था द्वारा आयोजित यह रथ यात्रा पिछले 57 वर्षों से लगातार निकाली जा रही है, जो भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक बन चुकी है।

बकरीद से पहले हमलों पर बिफरा ईरानः खामेनेई बोले-पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना को कहीं पनाह नहीं, बढ़ेगा तनाव?

दुबई (ए.)। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को खुली चुनौती दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया में अब अमेरिकी ठिकानों को कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी और ईरान हर खतरे पर सीधा पलटवार करेगा। अमेरिकी हमले और खामेनेई के बयान के बाद तनाव बढ़ना तय है।

शांति की बात करते-करते अमेरिका ने बकरीद से ठीक पहले एक बार फिर ईरान पर हमला किया है। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को बेहद कड़ी चेतावनी दी है। पद संभालने के बाद से वह कभी वीडियो या कैमरे के सामने नहीं आए हैं। वह सिर्फ सरकारी टेलीविजन के माध्यम से अपने बयान जारी कर रहे हैं। इस बार उन्होंने सीधे तौर पर अमेरिका और उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव और ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी ठिकानों को नहीं मिलेगी ढाल- खामेनेई

सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने साफ-साफ कहा कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी। उन्होंने कहा कि अब इस पूरे इलाके में अमेरिकी सेना के लिए कोई भी 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं बचेगी। युद्ध की शुरुआत से ही ईरान का यही मुख्य तर्क रहा है। ईरान चाहता है कि क्षेत्र के सभी देश मिलकर अमेरिकी मौजूदगी को पूरी तरह खत्म करें।

नए क्षेत्रीय आदेश के लिए एकजुटता की अपील

खामेनेई ने दुनिया के सभी इस्लामी देशों से अपने साझा हितों के लिए एक साथ आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यही एकजुटता भविष्य के नए आदेश को तय करेगी। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और पवित्रता के साथ सभी इस्लामी देशों और सरकारों को दोस्ती और सहयोग का निमंत्रण देता हूं।'

कब से जारी है तनाव?

बताते चलें कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच यह भीषण सैन्य टकराव इसी साल 28 फरवरी 2026 को तब शुरू हुआ, जब अमेरिका और इस्राइल ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर लगभग 900 हवाई हमले कर उसके सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित कई टॉप कमांडरों को ढेर कर दिया और उसके परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके जवाब में ईरान ने पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों, इस्राइल और खाड़ी देशों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे।

फीचर

नई वेब सीरीज में सान्विका का दिखेगा नया अंदाज

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की अभिनेत्री सान्विका अब बिल्कुल अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। वेब सीरीज 'पंचायत' में अपने सरल और मासूम किरदार 'रिंकी' से दर्शकों का दिल जीतने वाली सान्विका की आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में वह एक चालाक और शातिर महिला ठग का किरदार निभा रही हैं।

इस सीरीज में सान्विका 'माया' नाम की ऐसी महिला बनी हैं, जो अमीर युवकों को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और बाद में नकदी व कीमती गहने लेकर फरार हो जाती है। सान्विका ने बताया कि इस किरदार के लिए चुना जाना उनके लिए खुद एक बड़ा आश्चर्य था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें भी संदेह था कि क्या वह पर्दे पर इतनी चालाक और ग्रे शेड वाली महिला का किरदार प्रभावी ढंग से निभा पाएंगी। हालांकि, उन्हें खुशी है कि सीरीज के निर्माताओं ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें यह चुनौतीपूर्ण भूमिका सौंपी। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने इस किरदार को कभी जोखिम के रूप में नहीं देखा। उनके अनुसार, वह हमेशा अपने दिल की सुनकर ही किसी प्रोजेक्ट का चयन करती हैं। जब उन्होंने पहली बार सीरीज की कहानी का सार सुना, तभी वह इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हो गई थीं। सान्विका ने कहा कि यह भूमिका उनके अब तक निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है और एक कलाकार के तौर पर उन्हें अपने अभिनय की विविधता दिखाने का मौका देती है। उन्होंने बताया कि जहां आजकल ज्यादातर अपराध आधारित वेब सीरीज गंभीर और तनाव से भरी होती हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' को हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में पेश किया गया है। अपराध की पृष्ठभूमि होने के बावजूद इसमें मनोरंजन और हास्य का संतुलन बनाए रखने की कोशिश की गई है।

मेकर्स को 'रामायण' से कमाई के रिकार्ड टूटने की उम्मीद

मुंबई (ईएमएस)। अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को फिल्ममेकर नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करने की तैयारी में जुटे हैं। इस मेगाबजट पौराणिक फिल्म को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और ट्रेड मार्केट में अभी से जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

रणबीर कपूर अभिनीत यह फिल्म रिलीज से पहले ही कमाई के कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस फिल्म के थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स को लेकर बड़े स्तर पर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि निर्माता नमित मल्होत्रा हिंदी थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स के लिए इंडस्ट्री के कई बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स से चर्चा कर रहे हैं। फिल्म के हिंदी थिएट्रिकल राइट्स के लिए करीब 450 करोड़ रुपये की मांग की गई है, जिसने ट्रेड जगत में हलचल मचा दी है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा 300 से 400 करोड़ रुपये के बीच भी तय होता है, तो यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील साबित हो सकती है। फिलहाल हिंदी सिनेमा में सबसे बड़ी थिएट्रिकल डील का रिकॉर्ड शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के नाम बताया जा रहा है, जिसके ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स लगभग 250 करोड़ रुपये में बिकने की चर्चा है। ऐसे में 'रामायण' के लिए मांगी जा रही कीमत को बेहद बड़ी और ऐतिहासिक माना जा रहा है। सिर्फ सिनेमाघरों तक ही नहीं, बल्कि डिजिटल और सैटेलाइट

राइट्स को लेकर भी मेकर्स की बड़ी योजना है।

खबरों के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म के दोनों भागों के संयुक्त स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए करीब 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया था, लेकिन निर्माताओं ने इस ऑफर को स्वीकार नहीं किया। कहा जा रहा है कि मेकर्स डिजिटल राइट्स के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की डील की उम्मीद कर रहे हैं। करीब 4000 करोड़ रुपये के विशाल बजट में तैयार हो रही इस फिल्म को भारतीय सिनेमा का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि यदि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है, तो यह बॉक्स ऑफिस पर पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर सकती है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि 'केजीएफ' फेम अभिनेता यश रावण के किरदार में दिखाई देंगे।

'जवान' के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा; विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन फिल्म को लेकर चर्चा में वामशी पेडिपल्ली कर रहे सलमान के अपोजिट सुपरस्टार नयनतारा नजर नहीं होने के चलते अस्थाई स्ङ्कष्ट59 कहा जा रहा है। जा रहा है कि इसमें अवतार में नजर आएंगी।

दिनों अपनी आगामी हैं, जिसका निर्देशन हैं। इस फिल्म में साउथ की लेडी आएंगी। शीर्षक फाइनल रूप से इस फिल्म को फिल्म को लेकर कहा नयनतारा एक्शन पैक्ड

दमदार एक्शन से हैरान करेंगी नयनतारा?

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपट्र्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपट्र्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

ऐश्वर्या राय और आराध्या की बॉन्डिंग की जमकर हुई तारीफ

मुंबई (ए.)। लंबे समय बाद कान्स फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शानदार अंदाज में वापसी की है। फिल्म फेस्टिवल में इस बार उनके साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी नजर आईं। मां-बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। कान्स में ऐश्वर्या राय ने बेबी पिंक रंग का आकर्षक आउटफिट पहना, जिसमें फ्लोइंग केप स्लीव्स और चमकदार फूलों की कढ़ाई ने उनके लुक को बेहद खास बना दिया। उन्होंने अपने लुक को सॉफ्ट कर्ल्स, ग्लॉसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ पूरा किया, जिससे उनकी खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई।

हमेशा की तरह ऐश्वर्या ने अपने ग्रेस और एलिगेंस से रेड कार्पेट पर अलग छाप छोड़ी। वहीं आराध्या बच्चन ने भी अपने स्टाइल से सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने सैटिन रेड गाउन के साथ चमकदार केप पहनी थी, जो उनके लुक को बेहद रॉयल बना रही थी। फ्रेंच रिवेरा के खूबसूरत माहौल में मां-बेटी की यह जोड़ी किसी फिल्मी दृश्य जैसी नजर आई। फैंस ने सोशल मीडिया पर दोनों की बॉन्डिंग और स्टाइल की जमकर तारीफ की। कान्स में अपने पहले रेड कार्पेट अपीयरेंस के दौरान ऐश्वर्या ने रॉयल ब्लू बॉडीकॉन गाउन पहना था। इस गाउन में कंधों के पास खास डिजाइन और पूरे आउटफिट पर चमकदार कढ़ाई की गई थी। उन्होंने इस लुक को बेहद कम एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया, जिससे गाउन की भव्यता और उनकी पर्सनैलिटी दोनों उभरकर सामने आए। फैशन विशेषज्ञों और फैंस ने उनके दोनों लुक्स की काफी सराहना की।

कान्स रवाना होने से पहले ऐश्वर्या और आराध्या को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी साथ देखा गया था। दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करती नजर आईं। एयरपोर्ट पर ऐश्वर्या ने एक छोटे फैन के साथ तस्वीर खिंचवाकर अपने विनम्र स्वभाव की झलक भी दिखाई, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। ऐश्वर्या राय बच्चन का कान्स फिल्म फेस्टिवल से पुराना रिश्ता रहा है। उन्होंने साल 2002 में देवदास के साथ कान्स में डेब्यू किया था। उस दौरान उनके साथ शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली भी मौजूद थे। तब से लेकर अब तक ऐश्वर्या लगातार कान्स के रेड कार्पेट पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करती रही हैं।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है।पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली (ए.)। मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है।मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था।

रांची में एथलेटिक्स का महाकुंभ संपन्न, कई खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स के लिए किया क्वालीफाई

रांची,(आरएनएस)। राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 22 से 25 मई तक आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन चैंपियनशिप का समापन सोमवार को रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ।

चार दिनों तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर के शीर्ष एथलीटों ने हिस्सा लिया और कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई किया.इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन भी दर्शकों को जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले. पूरे टूर्नामेंट के दौरान 10 से अधिक नए रिकॉर्ड बने, जबकि कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए. चैंपियनशिप के अंतिम दिन सबसे ज्यादा चर्चा पुरुष शॉटपुट मुकाबले की रही, जहां मध्य प्रदेश के 25 वर्षीय समरदीप सिंह गिल ने अनुभवी पंजाब के तजिंदरपाल सिंह तूर को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया. समरदीप ने 20.46 मीटर का थ्रो कर गोल्ड जीता और साथ ही ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए निर्धारित 20.36 मीटर के क्वालीफिकेशन मार्क को भी पार कर लिया. वहीं दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर 20.07 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे.पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में कर्नाटक के यशस पी और एनसीओई त्रिवेंद्रम के संतोष कुमार टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स का टिकट हासिल किया. यशस ने 49.00 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि संतोष कुमार 49.06 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे. दोनों खिलाड़ियों ने निर्धारित क्वालीफाइंग समय 50.27 सेकेंड से बेहतर प्रदर्शन किया।

आईपीएल के एक सीजन में बतौर विकेटकीपर 35+ छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस की टीम ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। 5 बार की विजेता टीम मुंबई इंडियंस इस सीजन के प्लेऑफ में भी पहुंचने में नाकाम रही। मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन के बीच विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया। वह विकेटकीपर के तौर पर एक सीजन में सर्वाधिक छक्के (संयुक्त रूप से) लगाने वाले बल्लेबाज बने। आइए इस सूची के बारे में जानते हैं।

रिकेल्टन इस सीजन में मुंबई इंडियंस ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी साबित हुए। इस दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने 12 पारियों में 40.72 की उम्दा औसत और 186.66 की दमदार स्ट्राइक रेट के साथ 448 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 123 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ एक शतक और 2 अर्धशतक लगाए। मुंबई इंडियंस के इस प्रमुख विकेटकीपर ने सीजन में 38 छक्के लगाए। उन्होंने 31 चौके भी लगाए।

आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम उपविजेता रही थी। फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार मिली थी। सनराइजर्स हैदराबाद के उस अभियान में हेनरिक क्लासेन का बल्ला खूब चला था। उन्होंने विकेटकीपिंग करते हुए 16 मैच खेले थे और इसकी 15 पारियों में 39.91 की औसत और 171.07 की स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए थे। उन्होंने 19 चौके और 38 छक्के भी लगाए थे।

आईपीएल 2018 में दिल्ली कैपिटल्स से ऋषभ पंत ने जोरदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस सीजन में 14 पारियों में 52.61 की औसत और 173.60 की स्ट्राइक रेट के साथ 684 रन बनाए थे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक साथ और 5 अर्धशतक लगाए थे। उस सीजन में पंत ने 37 छक्के और 68 चौके लगाए थे। यह इकलौता ऐसे सीजन है, जिसमें पंत ने 600 से अधिक रन बनाए हैं।

आईपीएल 2026: वैभव सूर्यवंशी की नजर क्रिस गेल के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने पर

नईदिल्ली,(आरएनएस)। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट में क्रिस गेल के नाबाद 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने का लक्ष्य तय किया है। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ने यह रिकॉर्ड 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था। एक दशक से अधिक समय बाद भी यह टी-20 क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बना हुआ है। हालांकि, अब वैभव ने इसे तोड़ने की बात कर रहे हैं। आइए पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

वैभव ने कहा, मैं टी-20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। जब पीटरसन ने उन्हें गेल के रिकॉर्ड की याद दिलाई तो उन्होंने दोबारा अपना लक्ष्य दोहराते हुए कहा, हां, मैं उनका रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं और 200 रन बनाना चाहता हूं। अगर मैं किसी मैच में पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करूं तो निश्चित रूप से उस रिकॉर्ड को तोड़ दूंगा।

वैभव 2 बार 200 रन के करीब पहुंचे हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 190 रन बनाए थे, जबकि अंडर-19 विश्व कप फाइनल में 175 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। टी-20 में उनका सर्वोच्च स्कोर 144 रन है, लेकिन उन्होंने इस अनोखी उपलब्धि को हासिल करने की क्षमता दिखाई है। पिछले साल अंडर-19 एशिया कप में यूएई के खिलाफ उन्होंने 32 गेंदों में शतक लगया था। ये भारत के लिए संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज टी-20 शतक है।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

मुल्लांपुर (ए.)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी किआर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स केकमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे। दोनो ही टीमों के बल्लेबाजों का लक्ष्य इस मैच के पावर प्ले में अधिक से अधिक रन बटोरना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोने के बीच 23 मुकाबले हुए हैं जिसमें सनराइजर्स ने 14 जबकि रॉयल्स ने केवल 9 जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

टीमें: सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, सलिल अरोड़ा, साकिब हुसैन, अमित कुमार, प्रफुल्ल हिंगे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, शिवांग कुमार, ओंकार तरमाले, दिलशान मदुशंका, गेराल्ड कोएत्जी, आरएस अंबरीश। राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, अमन राव पेराला, ब्रिजेश शर्मा, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, यशराज पुंजा, इमानजोत सिंह चहल।

विराट कोहली से विवाद के बाद ट्रेविस हेड की पत्नी को मिली ऑनलाइन गालियां

नईदिल्ली(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज ट्रेविस हेड और उनकी पत्नी को ऑनलाइन गालियों का सामना करना पड़ा है। दरअसल, जब सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच मैच के दौरान हेड और विराट कोहली के बीच कहासुनी हुई, उसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के परिवार को लेकर नफरत भरे कमेंट्स देखने को मिले। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब हेड को ये सब झेलना पड़ा है। हेड की पत्नी जेसिका ने ये बात बताई है।

जेसिका ने ऑनलाइन होने वाली बदतमीजी की निंदा करते हुए कहा, जब मैं सोकर उठी, तो मेरे सोशल मीडिया पर गालियों की बाढ़ आई हुई थी। हम तो ठीक हैं, लेकिन वे मेरे दोस्तों और परिवार पर हमला कर रहे हैं। बता दें कि वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हेड ने भारत के खिलाफ शतक लगाया था। इसके बाद भी हेड के परिवार को सोशल मीडिया पर खूब गालियां मिली थी।

जेसिका ने फैंस से सोशल मीडिया पर सम्मानजनक रवैया अपनाने की अपील करते हुए कहा, मुझे लगता है कि इस समय सभी खेलों में मानसिक स्वास्थ्य, नजरिए और जिस तरह से हम एक-दूसरे से बात करते हैं, उसे लेकर एक अहम चर्चा चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही जुनून खेल का एक हिस्सा है, लेकिन यह याद रखना भी जरूरी है कि खेल के पीछे असली लोग और परिवार होते हैं।

आरसीबी की पारी में हेड ने कोहली को और आक्रामक बल्लेबाजी करने की सलाह दी। इस पर कोहली ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या तुम खुद गेंदबाजी करना चाहते हो? इस दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच कहासुनी हुई।

छत्तीसगढ़ समाचार

मानव सेवा को समर्पित दंपति को पद्म मिलने पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी शुभकामनाएं

रायपुर,(आरएनएस)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बस्तर के दूरस्थ और नक्सल प्रभावित आदिवासी अंचलों में चार दशकों से अधिक समय तक नि:स्वार्थ भाव से सेवा कार्य करने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं मती सुनीता गोडबोले को पद्म 2026 सम्मान से अलंकृत होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह सम्मान केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि मानव सेवा, समर्पण और करुणा की उस भावना का सम्मान है, जिसने हजारों आदिवासी परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण जगाई है। उन्होंने कहा कि डॉ. रामचंद्र गोडबोले और मती सुनीता गोडबोले ने बस्तर जैसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया, जहां वर्षों तक मूलभूत चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य सुधार, कुपोषण से लड़ाई और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए इस दंपति ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

वित्त मंत्री ने कहा कि गोडबोले दंपति की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके योगदान आने वाली पीढ़ियों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नवा रायपुर बन रहा हाई-टेक उद्योगों का नया केंद्र

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ ने औद्योगिक विकास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नवा रायपुर में दूसरे विशेष आर्थिक क्षेत्र को मंजूरी मिल गई है। पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को नवा रायपुर में 10.13 हेक्टेयर क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंजीनियरिंग आधारित एसईजेड स्थापित करने की स्वीकृति मिली है, जहां सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

यह परियोजना इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए छत्तीसगढ़ में पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होगा। इसके साथ ही राज्य तकनीक आधारित और उच्च मूल्य वाले उद्योगों की नई दुनिया में कदम रखेगा। इससे न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ तकनीक आधारित निवेश और आधुनिक विनिर्माण का नया केंद्र बनकर उभरेगा।

नवा रायपुर में बनने वाला यह विशेष आर्थिक क्षेत्र राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने, नए निवेश आकर्षित करने और छत्तीसगढ़ को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही कौशल विकास, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

अनुमान है कि इस परियोजना से अगले पांच वर्षों में 1300 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही राज्य में कुशल युवाओं के लिए हाई-टेक उद्योगों में काम करने के नए रास्ते खुलेंगे और तकनीकी कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ में निवेश और उद्योगों के लिए बन रहे सकारात्मक माहौल का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेहतर आधारभूत सुविधाएं, पारदर्शी व्यवस्था और निवेश अनुकूल नीतियों के जरिए भविष्य के उद्योगों के लिए मजबूत वातावरण तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, सेमीकंडक्टर तकनीक भविष्य की जरूरत है। नवा रायपुर में राज्य का पहला सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र स्थापित होना केवल उद्योग की शुरुआत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के तकनीकी भविष्य की मजबूत नींव है। इससे युवाओं को बेहतर रोजगार मिलेगा, तकनीकी कौशल बढ़ेगा और राज्य नई औद्योगिक पहचान के साथ आगे बढ़ेगा।

नौतपा में बदलेगा मौसम का मिजाज, बारिश के आसार, आंधी का अलर्ट

29 और 30 मई से बूंदाबांदी व बारिश का दौर शुरू होगा

रायपुर, (आरएनएस)। ब्रज योग में चंद्रप्रधान रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश के साथ ही नौतपा की शुरूआत कल से हो गई है, इस बार नौतपा में मौसम के तीन रंग देखने को मिलेंगे। शुरुआत के तीन दिन भीषण गर्मी पड़ेगी। इसके बाद हल्की राहत मिलेगी, फिर 29 और 30 मई से बारिश व बूंदाबांदी का दौर शुरू हो जाएगा। कुल मिलाकर इस बार नौतपा से पहले गर्मी ने हर वर्ग के लोगों को परेशान किया है, इसलिए लोगों को नवतपा में राहत मिलने की उम्मीद है।

नौतपा शुरू होने से पहले ही गर्मी ने शहरवासियों को झुलसा दिया है। मई के दूसरे सप्ताह से शुरू हुई भीषण गर्मी मई के अंतिम सप्ताह तक जारी है। इस साल की तेज गर्मी ने लोगों को खासा परेशान किया है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। वहीं अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि बीच-बीच में कुछ सिस्टम सक्रिय होने से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन वह नाकाफी रही। इस बार आए तूफान भी गर्मी से राहत नहीं दिला सके। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क और गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान बढ़ा हुआ है। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार सीजन के उच्च स्तर पर बना हुआ है। रविवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा।मौसम विभाग के अनुसार, नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। इस बार नौतपा ज्यादा नहीं तपेगा। शुरुआती तीन दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ेगा। इसके बाद 27 मई की शाम से तापमान में गिरावट शुरू होगी, जिससे लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलेगी। फिर 29 और 30 मई से बूंदाबांदी व बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। अंतिम चार दिनों में बदली छाने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन शुरुआती बारिश के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है।

हसदेव प्लांट की दो यूनिट ठप, बिजली संकट गहराया

गांव-शहर में लो-वोल्टेज का संकट

रायपुर,(आरएनएस)। प्रदेश में नौतपा की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण घरों, दफ्तरों और उद्योगों में एसी, कूलर और पंखों का उपयोग चरम पर है। इसके चलते छत्तीसगढ़ में पीक ऑवर्स के दौरान बिजली की मांग 6000 मेगावाट तक पहुंच गई है। इस भारी मांग के बीच छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के सबसे बड़े संयंत्र हसदेव थर्मल पावर स्टेशन की दो इकाइयों के बंद होने से बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर भारी दबाव आ गया है। कोरबा स्थित हसदेव थर्मल पावर स्टेशन की कुल क्षमता 130 मेगावाट है।यहां 210-210 मेगावाट की चार और 500 मेगावाट की एक विस्तार इकाई स्थापित है। अप्रैल महीने में झाबू राखड़ बांध के क्षतिग्रस्त होने के बाद से सुरक्षा और मरम्मत के मद्देनजर 210-210 मेगावाट की दो इकाइयों को बंद रखा गया है। इसके कारण वर्तमान में 420 मेगावाट बिजली का उत्पादन पूरी तरह ठप है। फ्लिहाल चालू तीन इकाइयों से केवल 745 मेगावाट के आसपास ही उत्पादन हो पा रहा है, जो इस भीषण गर्मी में मांग के लिहाज से काफी कम है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को सेंट्रल सेक्टर (केंद्रीय कोटे) से प्रतिदिन लगभग 3700 मेगावाट बिजली ड्रा (खर्च) करनी पड़ रही है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने लोक भवन में 'पीएम-जनमन' (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) योजना की प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की।

संस्कारों की पाठशाला बना बाल संस्कार शिविर

- 135 बच्चों ने लिया हिस्सा,माता-पिता के प्रति सम्मान व आदर का दिया संदेश

बिलासपुर (ए)। पीएम श्री उत्कृष्ट सेजेस उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला सरकंडा में गीता परिवार द्वारा आयोजित पांच दिवसीय नि:शुल्क बाल संस्कार केंद्र का समापन उत्साह और संस्कारमयी वातावरण के बीच हुआ। कार्यक्रम में बच्चों ने सूर्य नमस्कार, लाठी-काठी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रार्थना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद अंचल दुबे, बालिका संप्रेषण गृह अधीक्षिका ममता तिवारी और हेमंत गौरहा उपस्थित रहे। अतिथियों का मोमेंटो एवं दुपट्टा भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने गीता परिवार के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में बच्चों को संस्कार और भारतीय संस्कृति से जोडने वाले आयोजन बेहद जरूरी हैं। ऐसे शिविरों से बच्चों में अपने देश, समाज और परिवार के प्रति सम्मान का भाव विकसित होता है। समापन अवसर पर बच्चों द्वारा मातृ-पितृ पूजन कराया गया। इस भावपूर्ण आयोजन ने उपस्थित अभिभावकों को भावुक कर दिया। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य बच्चों में माता-पिता के प्रति सम्मान, आदर और कृतज्ञता का भाव जागृत करना है।

राजस्व मंत्री ने ग्राम कांकड़खेड़ा में तालाब सुदृढ़ीकरण कार्य का किया शुभारंभ

जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है - राजस्व मंत्री

सीहोर (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इछावर तहसील के ग्राम कांकड़खेड़ा में तालाब के सुदृढ़ीकरण कार्य का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने इस कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। उन्होंने कहा कि गांवों में तालाब, कुएं और बावड़ियां जल का प्रमुख स्रोत होते हैं, जिनसे लोगों की दैनिक जरूरतें पूरी होती हैं तथा भूजल स्तर भी संतुलित बना रहता है। वर्तमान के कम होते जल स्तर के कारण इन जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन अत्यंत आवश्यक हो गया है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि जल की प्रत्येक बूंद अमूल्य है और इसके संरक्षण के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी प्रयासों से जल संरक्षण का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता, इसके लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। यदि गांव-गांव में तालाबों की सफाई, गहरीकरण, वर्षा जल संचयन तथा जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्य लगातार किए जाएं, तो भविष्य में पेयजल और सिंचाई की समस्या को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेशभर में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अभियान के माध्यम से नदियों, तालाबों, कुओं एवं अन्य जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर इछावर नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, पंकज गुप्ता, कैलाश सुराना, एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री मयंक सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

सड़क पर बैठे ग्रामीण, जाम में फसी जनता, हुआ जबरदस्त हंगामा

नौतपा में बिजली कटौती,कूलर पंखे एसी बंद,लोग हैरान परेशान

सीहोर (निप्र)। मंगलवार को बिजौरी स्थित श्यामपुर सड़क पर सैकड़ों ग्रामीण युवक बैठ गए। बेहिसाब बिजली कटौती के विरोध में युवकों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। विघुत वितरण कंपनी की मनमानी पर युवाओं का गुस्सा फूट पड़ा। क्षेत्र के पम्पू वर्मा और हरीश चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीण युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। सड़क के दोनों तरफ बस ट्रक कार सहित सैकड़ों छोटे बड़े वाहनों की कतारे लग गई। गर्मी से हाल बेहाल ग्रामीण युवाओं ने किसी को भी निकलने नहीं दिया। सड़क पर काफी देर तक जबरदस्त हंगामा होता रहा। युवाओं के द्वारा की जा रही जोरदार नारेबाजी से बार बार माहौल गर्माता रहा। मौके पर पहुंची मंडी थाना पुलिस ने स्थिति को बमुश्किल संभाला। हालात ऐसे बने की विघुत वितरण कंपनी के अधिकारी को मौके पर शिकायती लेटर लेने जाना पड़ा।बिजौरी क्षेत्र के पम्पू वर्मा ने बताया कि विघुत वितरण कंपनी मनमानी कर रही है बिजली के स्मार्ट मीटर हजारों रूपये के बेहिसाब बिल दे रहे है जनता बमुश्किल बिल जमा कर रही है नो तपा चल रहे है ऐसे में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। बिजली नहीं मिलने से घरों में रखें कुलर पंखे एसी शोपीस बनकर रह गए है। बिजली के अभाव में बच्चों और बुर्जुगों का जीना दुष्वार हो गया है। गांवो में विघुत चलित काम धंधे भी बंद हो गए है ग्रामीण लोग बेरोजगारी की कगार पर पहुंचने लगे है।

कपड़े में लगा दाग धुल सकता है चरित्र में लगा दाग कैसे धुलेगा : पं मोहितरामजी पाठक

सीहोर(निप्र)। व्यक्ति के कपड़े में दाग लगता है तो धुल जाता है किसी पानी साबुन या सर्प से साफ हो जाएगा, कि तू चरित्र पर लगा हुआ दाग कई जन्मों तक नहीं धुल पता है, उक्त उद्गार पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर ग्राम फूल मोगरा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस कथा व्यास परम गौभक्त क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत पंडित मोहितरामजी पाठक ने व्यक्त किए उन्होंने आगे कथा में वर्णन करते हुए कहा कि जिस प्रकार वृंदावन में ज्ञान बैराग भक्ति मूर्छित रही नारद जी ने आकर श्रीमद् भागवत कथा का संकादिक ऋषियों द्वारा श्रीमद् भागवत का पाठ करके ज्ञान भक्ति वैराग का दुख की निवृत्ति कराई इस प्रकार हम सभी को विज्ञान भक्ति वैराग्य के माध्यम से भक्ति के मार्ग पर चलकर सत्संग के द्वारा अपने चरित्र पर किसी प्रकार का कोई दाग न लगे, ऐसा प्रयास करना चाहिए तभी हमारा सत्संग सुनना सार्थक हो सकता है श्रीमद् भागवत की कथा मानव जीवन को ज्ञान भक्ति विराज से परिपूर्ण कर देती है और मृत्यु के पश्चात मुक्ति का द्वार खोल देती है जीते जी हर सनातनी कुछ श्रीमद् भागवत कथा की शरण ग्रहण कर अपने मानव जीवन का उद्धार करना चाहिए श्रीमद् भागवत कथा में राजा परीक्षित ने धर्म एवं गौ माता की रक्षा के लिए श्राप स्वीकार किया हम सभी को भी धर्म की रक्षा के लिए गौ माता की रक्षा एवं सेवा के लिए श्रीमद् भागवत कथा और सनातन धर्म की शरण ग्रहण करना चाहिए आयोजन समिति ग्राम फुल मोगरान संपूर्ण क्षेत्र वासियों से श्रीमद् भागवत कथा में पधार कर सत्संग लाभ लेने का आग्रह किया कथा का समय दो फिर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक स्थान ग्राम फूल मोगरा खाती समाज धर्मशाला सीहोर

डेरे से ट्रक में 40 भेड़े भर ले गए बदमाश पुलिस नहीं कर रही है चोरी की रिपोर्ट दर्ज

पशु पालकों ने एसपी कलेक्टर को दिया शिकायती पत्र कार्रवाही की मांग चोरों का संगठित गिरोह डेरों पर हमला करता है भेड़ों को वाहनों में भरकर ले जाता है

सीहोर (निप्र)। चोरों की गैंग ने रात में कांकर खेड़ा स्थित गाडर भेड़-बकरियों के डेरे पर धावा बोल दिया। पिकअप ट्रक लेकर पहुंचे बदमाशों ने दहशत फैलाकर चरवाहों को डरा धमका दिया। हथियार दिखाकर बदमाश डेरे से 40 बड़ी भेड़ों को ट्रक में भरकर ले गए। पीड़ित ग्राम रोडला, तहसील आहोर, जिला जालौर राजस्थान के भेंड मालिक चरवाह विष्णु पिता दीपा देवासी इछावर थाना पहुंचे तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से ही इंकार कर दिया।मंगलवार को राजस्थानी पशु पालक संगठन अध्यक्ष अशोक देवासी भोंगरा ने भेंड पालक को न्याय दिलाने और चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग को लेकर कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन दिया। उन्होने बताया कि 17 मई की रात 3 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने डेरे पर धावा बोला और 40 बड़ी भेड़ों को पिकअप वाहन में भर कर ले गए। विरोध करने पर चरवाह विष्णु के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। पिछले एक वर्ष में जिले के अलग अलग क्षेत्रों में भेड़पालक पशुपालकों की 500 भेड़ों की चोरी हो चुकी है। विभिन्न थानों में पशुपालकों द्वारा शिकायतें दी गई है लेकिन अधिकांश मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं की जा रही है। जिससे चोरों अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चोरों का संगठित गिरोह 8-10 लोगों के साथ डेरों पर हमला करता है और भेड़ों को वाहनों में भरकर ले जाता है। यह भेंड़ों के लूटेरे मुख्य मार्ग छोड़कर आउट रास्तों से वाहन निकलते पाए गए है।

आर्य वीरों का प्रदर्शन देख दर्शक हुए मंत्र मुग्ध

शिविर का हुआ भव्य समापन

सीहोर। विगत 10 दिनों से भारत विकास परिषद शाखा सीहोर एवं आर्य समाज गंज सीहोर के द्वारा चल रहे चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का समापन आज स्थानीय सेंट मैरी हायर सेकेंड्री स्कूल गल्ला मंडी के प्रांगण में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय उपस्थित रहे ,विशेष अतिथि के रूप में मध्यभारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रकाश जी आर्य तथा मंत्री अतुल वर्मा जी एवं नगर के मूर्धन्य पत्रकार रघुवर दयाल गोहिया उपस्थित हुए इस अवसर पर सर्वप्रथम यज्ञ का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में शिविर में उपस्थिति युवाओं के माता पिता यज्ञ वेदी पर बैठे तथा नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी यज्ञ में भाग लिया। यज्ञ का संपादन आर्य समाज के पुरोहित धर्मेंद्र शास्त्री जी के द्वारा किया गया इसके पश्चात शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त आर्यवीरों ने अरे वीर दल के प्रांत संचालक भेरू सिंह जी आर के नेतृत्व में लाठी, कुंगफू, कराटे एवं योग, आसन, प्राणायाम का प्रदर्शन मुख्य अतिथियों के सामने किया जिसका सभी अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने आनंद उठाया।

चर्च मैदान पर ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता सीहोर मिनी ने डीएसवायडब्ल्यू को 2-0 से हराया

सीहोर(निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर प्रतिभाओं को मंच देने के लिए जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में 85 दिवसीय निशुल्क फुटबाल समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा मैदान पर ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार की शाम को डीएसवायडब्ल्यू फुटबाल टीम और सीहोर मिनी के मध्य मुकाबला खेला गया। इसमें मिनी ने 2-0 से शानदार जीत हासिल की। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया सहित अन्य खिलाड़ियों ने उत्साहवर्धन किया।एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि सीहोर मिनी ने डीएसवायडब्ल्यु को 2-0 से हराया। इस मैच में सीहोर मिनी की ओर से जगीर और राज ने 1-1 गोल किया।

कलेक्टर के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाकर एवं घर-घर जाकर तेजी से किया जा रहा है फार्मर रजिस्ट्री का कार्य

जिले के सभी किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने की कलेक्टर ने की अपील

सीहोर(निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कोई भी किसान फार्मर रजिस्ट्री से न छूटे। उन्होंने कहा है कि फार्मर आईडी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह किसानों को योजनाओं से जोड़ने का प्रमुख माध्यम है। इसका हर किसान तक लाभ पहुंचना अनिवार्य है।

सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा सके इसके लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, इसके अलावा घर-घर जाकर भी किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इन शिविरों में ग्राम पंचायतों, कृषक मित्रों और राजस्व एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा किसानों की फार्मर रजिस्ट्री के साथ-साथ उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है ताकि किसी भी किसान को प्रक्रिया में असुविधा न हो। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे आयोजित शिविरों में पहुंचकर अपनी फार्मर आईडी बनवाएं ताकि किसानों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिल सके।

दलित परिवार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सीहोर(निप्र)। कालापीपल मण्डी में सोमवार, 25 मई को दलित परिवार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष मनोज फरेला के नेतृत्व में सीहोर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कमल किशोर जाटव ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि शाजापुर जिले के कालापीपल मण्डी में सोमवार को भूमि विवाद को लेकर दलित परिवार पर बन्दुक चलाई गई, जिससे एक व्यक्ति को 6 एवं दुसरे को एक गोली लगी है, बाकि के परिजनों को बेरहमी से लाठी से पीटा गया है, जिसके कारण पीड़ित परिवार के कुछ जिन्दगी और मौत से जूझ रहे हैं, परन्तु अरोपियों को अभी गिरफ्तार नही किया गया है।

सीएमएचओ ने ग्राम पांगरा में उप स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

सीहोर(निप्र)। सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने ग्राम पांगरा के उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अंतर्गत आयोजित टीकाकरण शिविर सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टीकाकरण रजिस्टर के साथ ही वैक्सीन उपलब्धता की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। जिले में 26 मई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 857 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 494 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 220 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बीएसआई मैदान पर एकलव्य फैंडशिप क्रिकेट लीग प्रतियोगिता 2026

उड़ान क्रिकेट अकादमी ब्लू ने रेड को 6 विकेट से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर एकलव्य फैंडशिप क्रिकेट लीग प्रतियोगिता 2026 के अंतर्गत मंगलवार को उड़ान क्रिकेट अकादमी ब्लू ने रेड को 6 विकेट से हराया। इस मैच में ब्लू की ओर से दिशांत पाटीदार ने 21 रन की विस्फोटक पारी खेली, इसके अलावा साई नमन ने 27 गेंद पर 34 रन, देव चौहान ने 38 रन बनाए थे। इस मौके पर अकादमी के कोच अतुल कुशवाहा ने हरफनमौला खिलाड़ी दिशांत पाटीदार को मैन आफ द मैच प्रदान किया।

सुबह पहले बल्लेबाजी करने उतरी उड़ान क्रिकेट अकादमी रेड ने 31.4 ओवर में 10 विकेट खोकर 159 रन बनाए थे। इसमें शिवकुमार बंसल ने 54 गेंद पर 45 रन, लक्ष्य ने 24 रन और शुभम गौतम ने 19 रन की पारी खेली। वहीं रेड की ओर से गेंदबाजी करते हुए दिशांत पाटीदार ने 2 विकेट, अराव, अर्हम जैन, सोमिल शर्मा, आर्थव ने 1-1 विकेट हासिल किए।

डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि लक्ष्य का पीछा करने उतरी उड़ान क्रिकेट अकादमी रेड ने 20.1 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल की। रेड की शुरूआत खराब रही सूर्या शर्मा 1 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद सलामी बल्लेबाज साई नमन ने 27 गेंद पर 34 रन, देव चौहान ने 38 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा विवेक ने 15 रन, युग ने 19 रन और दिशांत पाटीदार ने 21 रन बनाए थे। वहीं ब्लू की ओर से यार्थत ने 2 विकेट और अंश-दीपक ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आज होगा मां सीवन परिक्रमा के पोस्टर का विमोचन, पहले श्री गणपति के चरणों में अर्पित करेंगे पोस्टर

अनिल चौहान के साथ वाल्मीकि समाज के लोग सीवन योद्धा के सम्मान हेतु हुए उपस्थित

दिन मंगलवार को तैयार कर दिया एक विशाल जलाशय छतरी घाट पर, लाखों करोड़ों पशु पक्षी जीव जंतु बुझा रहे हैं प्यास

सीहोर(निप्र)। मां सीवन की परिक्रमा सीवन पुत्र द्वारा करने के बाद सिवन परिक्रमा का मार्ग प्रशस्त करने हेतु दूसरों को मां सीवन की परिक्रमा करवाने हेतु मां सीवन परिक्रमा मार्ग के पोस्टर का विमोचन दिन बुधवार को 1008 संत श्री हरिराम दास महाराज मठ मंदिर सीहोर धार्मिक आयोजन के तहत करेंगे और साथ में मां सीवन की परिक्रमा का महत्व भी बताएंगे, साथी मंगलवार के दिन छतरी घाट कस्बा सीहोर में सिवन योद्धा एवं सीवन पुत्रों द्वारा 45 डिग्री तापमान में जलकुंभी हटाने का काम चला रहा ताकि वहां पर एक विशाल जलाशय पशु पक्षी जीव जंतु के लिए बने इसी के तहत सुबह 9:00 बजे से लगातार काम चला और परिणाम निकलकर आया शाम को लोगों ने जब वह जलाशय को देखा वह पशु पक्षी जीव जंतुओं को अपनी प्यास बुझाते हुए देखा देखकर सभी ने सिवन पुत्र तथा सीवन योद्धाओं की प्रशंसा की एवं उनके कार्यों को सराहा है प्रदीप चावड़ा सीवन पुत्र ने बताया कि विगत 59 दिनों से सिवन उद्धार का काम चल रहा है गहरीकरण,सौंदर्य करण,स्वच्छता आदि तो चल ही रहे हैं साथ ही साथ लोगों की भावना नदी से जोड़ने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं आगे भी यह अभियान चलता रहेगा जब तक की मूल स्वरूप में मां सिवन नहीं आ जाती पूरी टीम भीषण गर्मी में मां सिवन की सेवा हेतु अपनी निष्ठा व सेवा का परिचय दे रही हैमंगलवार को सिवन योद्धा के सम्मान के लिए नगर पालिका परिषद सीहोर में कार्यरत अनिल चौहान जो की प्रसिद्ध हॉकी कोच स्वर्गीय दादा भाई शिवलाल चौहान के सुपुत्र हाल ही में जिनके नाम पर बाल विहार का नाम बदला गया है व दादा भाई शिवलाल चौहान के नाम पर रखा गया है उनके साथ उनके सुपुत्र यशराज चौहान भी उपस्थित रहे जिन्होंने सिवन योद्धा के साथ सिवन पुत्र राजकुमार सोनी का सम्मान किया । नगर पालिका परिषद से रिटायर्ड का नाम था मनोहर सिंह राजपूत, राष्ट्रीय तैराक विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर सिवन पुत्र प्रदीप चावड़ा कैलाश चौहान, मुकेश राय, वैभव राठौर,जगदीश वर्मा, कनीराम मालवीय, राजकुमार सोनी,अनिल चौहान,मनोहर राजपूत,यशराज चौहान,संदीप चंदेल,सुदीप चौहान,विनेश चौहान,हेमन्त चन्देल दीपक बाथम, सुधीर सोनी, राधेश्याम जावेरिया सचिन प्रजापति कमल केवट श्यामलाल,विवेक गौतम,अशोक खत्री,सुरेश भगत,अशोक नामदेव आदि उपस्थित रहे ।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com